

अधिक मास 17 मई से...विवाह, मांगलिक कार्यों पर रहेगी रोक

अगले 5 दिन विवाह के 2 मुहूर्त, अधिक मास होने से 35 दिनों तक नहीं गूंजेगी शहनाई

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

अधिकमास या पुरुषोत्तम मास 17 मई से आरंभ होगा। इसके साथ ही विवाह आदि शुभ कार्यों पर रोक लग जाएगी। एक माह दो दिन बाद विवाह सहित अन्य शुभ कार्य 19 जून से फिर आरंभ होंगे। खास बात यह है कि दिसंबर 2026 तक शादी के सिर्फ 18 शुभ मुहूर्त रहेंगे। इनमें भी सर्वाधिक सात मुहूर्त जून माह में हैं। उसके बाद जुलाई में तीन और नवंबर-दिसंबर में चार-चार मुहूर्त रहेंगे। ऐसे में इन तारीखों में बड़ी संख्या में शादियां होंगी। मां चामुण्डा

दरबार के पुजारी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि हिंदू पांचांग चंद्रमास और सौर मास के अंतर पर आधारित है। इसमें चंद्रमास करीब 29.5 दिन का होता है और सौर मास 365 का दिन का। इन दोनों के इस अंतर को संतुलित करने के लिए करीब ढाई से तीन साल में एक अतिरिक्त माह जोड़ा जाता है। इसे अधिक मास या पुरुषोत्तम मास कहते हैं। यह पूरी तरह से वैज्ञानिक और गणितीय आधार पर होने वाली खगोलीय घटना है। जो पचांग की प्रणाली की जटिलता और वैज्ञानिक आधार को स्पष्ट करती है।

इस माह दो शुभ मुहूर्त

इस माह विवाह के सिर्फ 2 मुहूर्त 13 और 14 मई को हैं। इसके बाद अधिक मास लगने से 35 दिन विवाह के मुहूर्त नहीं हैं। फिर 19 जून से 8 जुलाई के बीच 10 दिन शादियों के मुहूर्त रहेंगे।

देवउठनी एकादशी से शुरू होंगे विवाह

पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी के बाद चातुर्मास आरंभ हो जाने से शादियों पर प्रतिबंध लग जाता है। जो देवउठनी एकादशी यानी 20 नवंबर से हटेगा। देवशयनी एकादशी से पहले देव गुरु बृहस्पति भी अस्त हो जाएंगे। ऐसे में देवशयनी एकादशी से पहले ही शादियों पर रोक लग जाएगी।

दान और भक्ति के लिए उत्तम समय

पं. रामजीवन दुबे के अनुसार इस माह में किया दान और भक्तिपूर्ण कार्य सदैव फलदायी होता है। दान, विष्णु सहस्रनाम जप और भगवत गीता पढ़ने के लिए आदर्श समय अनुष्ठान, उपवास और पूजा-पाठ से ईश्वरीय कृपा मिलती है। 15 जून को अधिकमास का समापन होने पर शादी आदि विवाह कार्य पुनः आरंभ होंगे। जो जून, जुलाई के बाद नवंबर-दिसंबर में रहेंगे।
► जून में 19, 20, 22, 23, 26, 27 और 29
► जुलाई में - 6, 7, 11
► नवंबर में - 21, 24, 25, 26
दिसंबर में - 2, 3, 11 और 12

15 मई से सूर्य बदलेंगे राशि

यहाँ के राजा सूर्य 15 मई से राशि बदलकर वृष राशि संचार शुरू करेंगे। इसके दूसरे ही दिन से यानी 17 मई से अधिक मास या पुरुषोत्तम मास आरंभ हो जाएगा, जो 15 जून तक रहेगा। इस बार अधिक मास उरोष्ट मास में पड़ रहा है, इसलिए अधिमास कहलाता है।



शाहपुरा के पास गर्मी में दोपहर 3.30 बजे आराम फरमाता दुकानदार ।

राजधानी में पारा 41 डिग्री पार रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित चुभती गर्मी से लोग हलाकान

तीन से चार दिन बाद बदल सकता है मौसम का मिजाज, भोपाल सहित कुछ जगह अभी बादलों का आना-जाना लगा रहेगा



दोपहर 2.20 बजे स्कूल से घर जाने निकली छात्राएं तो लिंक रोड-2 पर गर्मी तेज लगी तो खुद को दुपट्टे से ढंक लिया ।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अब गर्मी का पारा हर दिन बढ़ रहा है। सोमवार को भोपाल में एक डिग्री तक बढ़त के साथ तापमान 41.2 डिग्री पर पहुंच गया। दिन में गर्म हवाएं और लू जैसी स्थिति के बीच शहर आसपास जहां जल स्रोतों के किनारे पशु पक्षी और परिंदे अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। पिछले को दो दिन से बड़े तालाब, केरवा, कलियासोत और शाहपुरा लेक के किनारे सुबह और शाम को अलग-अलग प्रजाति के परिंदे देखे जा सकते हैं। वहीं शहर के लोगों की पहली पसंद अब जल स्रोतों के किनारे और गर्मी के पेय पदार्थ बन रहे हैं। ठंडा, गन्ने के रस की दुकानों सहित अन्य गर्मी के पेय पदार्थों की दुकानों पर लोगों की भीड़ बढ़ी है। बढ़ती गर्मी के बीच रतलाम और धार में लू का असर रहा।

रतलाम में सर्वाधिक पारा 45 डिग्री रहा, जो सामान्य से 5.7 डिग्री ज्यादा है। धार में 44 डिग्री रहा। मौसम केंद्र के अनुसार अगले तीन से चार दिन गर्मी में बढ़ोतरी होगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी प्रदेश में प्रभावी सिस्टम नहीं है। इससे तापमान में अगले 3 से 4 दिन बढ़त होगी। इससे कई जिलों में लू चलेगी।

इसलिए बढ़ेगी गर्मी

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार अमी राजस्थान और आसपास एक सर्कुलेशन है। पश्चिमी मध्य प्रदेश पर भी एक सर्कुलेशन है, जो अब प्रदेश के दक्षिणी हिस्से तक सक्रिय हो रहा है। इससे राजस्थान से गर्म हवाएं आ रही हैं। एक ट्रफ दक्षिण पश्चिमी मध्य से पूर्वी मध्य होती हुई छत्तीसगढ़ और झारखंड से गुजर रही है। इससे अगले तीन से चार दिन गर्मी में बढ़ोतरी की उम्मीद है। इस बीच पारा 3 से 4 डिग्री तक बढ़ सकता है, जिससे कई जिलों में लू चलेगी।

हवाएं आ रही हैं। एक ट्रफ दक्षिण पश्चिमी मध्य से पूर्वी मध्य होती हुई छत्तीसगढ़ और झारखंड से गुजर रही है। इससे अगले तीन से चार दिन गर्मी में बढ़ोतरी की उम्मीद है। इस बीच पारा 3 से 4 डिग्री तक बढ़ सकता है, जिससे कई जिलों में लू चलेगी।

भोपाल में छाए बादल नहीं

सोमवार को राहतहवा कुछ हिस्सों में बादलों का आना रहा। इससे धूप से राहत रही, लेकिन गर्मी और धार में हवाओं ने लोगों को परेशान किया। यह कम मंगलवार को भी रहेगा। शहर के कुछ हिस्सों में बादल और बूंदवादी भी हो सकती है।

चॉइस फिलिंग में भी दिखी तेजी

ई-प्रवेश में छात्र उत्साहित, रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा पहुंचा 1.10 लाख के पार

यूजी पाठ्यक्रमों में 71,716, पीजी में 15,273 तथा एनसीटीई कोर्सेस में अब तक हुए 23,090 पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर के कॉलेजों में स्नातक और स्नातकोत्तर कोर्सेस में ई प्रवेश प्रक्रिया जारी है। उच्च शिक्षा विभाग के ई-प्रवेश पोर्टल पर शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विद्यार्थियों का उत्साह अब लगातार बढ़ रहा है। सोमवार तक इन कोर्सेस के लिए कुल पंजीयन का आंकड़ा 1,10,079 तक पहुंच गया है। स्नातक पाठ्यक्रमों में 71,716, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 15,273 तथा एनसीटीई पाठ्यक्रमों में 23,090 पंजीयन प्राप्त हुए हैं। विद्यार्थियों द्वारा चॉइस फिलिंग में भी तेजी देखी जा रही है, जहां अब तक 75,017 विद्यार्थियों ने अपनी पसंद के महाविद्यालय एवं पाठ्यक्रम चयनित किए हैं। वहीं 56,240 आवेदनों का सत्यापन हो चुका है।

कॉलेजों में सहायता के लिए हेलप डेस्क

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की सहायता के लिए हेलप डेस्क, मार्गदर्शन एवं दस्तावेज सत्यापन की व्यवस्था की गई है। विभागीय अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। विभाग ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से कहा है कि पहले चरण के पंजीयन की अंतिम तिथि 15 मई 2026 से पूर्व अपनी प्रवेश संबंधी सभी प्रक्रिया पूरी कर लें। स्नातक एवं स्नातकोत्तर पहले चरण की आमतोन सूची क्रमशः 20 और 21 मई 2026 को जारी की जाएगी।

खबर संक्षेप

अग्रवाल समाज कोलार के अध्यक्ष बने शैलेंद्र



भोपाल। अग्रवाल समाज कोलार (रंज.) कोलार के नए सदस्यों के चुनाव चुनाव अधिकारी राकेश गर्ग, सह चुनाव अधिकारी डॉ अनिल गोयल, नरेश अग्रवाल द्वारा अत्यंत ही निष्पक्ष और पारदर्शिता से सम्पन्न हुए। चुनाव प्रत्याशियों में अध्यक्ष पद के लिए शैलेंद्र गर्ग, उपाध्यक्ष पद डॉ अंकुर अग्रवाल, सचिव सौरभ गुप्ता, कोषाध्यक्ष तरुण अग्रवाल, सहसचिव वसंत गुप्ता विजयी हुए। वहीं कार्यकारिणी में शैलेश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, रविन्द्र बंसल और सुरेश चंद्र गोयल निर्विरोध चुने गए। समाज के अध्यक्ष शरद अग्रवाल, उपाध्यक्ष रामपाल अग्रवाल, संरक्षक हुकुम चंद्र अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, डॉ एके गर्ग, राकेश अग्रवाल एवं अग्रवाल समाज कोलार महिला मंडल की अध्यक्ष सीमा गर्ग, उपाध्यक्ष गीता गर्ग, रमा अग्रवाल एवं समस्त कार्यकारिणी महिला सदस्य भी शामिल हुईं। इस आयोजन में रामेश्वर अग्रवाल, सुनील गर्ग, मधुर अग्रवाल, हेरी लाल गर्ग, मंजू गुप्ता आदि का विशेष सहयोग रहा।

निगम ने एक दर्जन क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण



भोपाल। नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अमले ने सोमवार को शहर के एक दर्जन से ज्यादा क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में ठेले, कार्डेर, आवागमन में बाधक वाहन, अवैध रूप से बने चबूतरे, दीवार आदि हटाई और विभिन्न प्रकार का सामान जप्त किया। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर लिंक रोड नंबर-2, अटल भवन निगम मुख्यालय, 1250 हास्पिटल, 6 नंबर, शिवाजी नगर चौराहा, न्यू मार्केट थाना, रंगमहल, प्रेस कॉम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-2, सुभाष नगर, प्रभात चौराहा, मंडी चौराहा, कोलुआ गांव, अयोध्या बागपास, अवधपुरी, बीमा हास्पिटल, इन्द्रपुरी, अशोका गार्डन, सोनिया गांधी पुलिया, पुष्पा नगर, जहांगीराबाद शब्बन चौराहा, लिली टॉकीज, करबला, नूर महल, शाहजहांनाबाद पुतलीघर, लालघाटी विजय नगर, गांधी नगर नेवरी गांव आदि क्षेत्रों में कार्रवाई की। अमले ने निगम मुख्यालय के सामने अवैध रूप से बनी दुकान, अशोका गार्डन क्षेत्र एवं नूरमहल क्षेत्र में अवैध रूप से बने 9 चबूतरे तथा सुभाष नगर क्षेत्र में अवैध रूप से बना छप्पर तोड़ा।

बीएसएनएल के सीनियर जीएम अरुण को भातू शोक



भोपाल। बीएसएनएल भोपाल में पदस्थ अरुण कुमार, वरिष्ठ महाप्रबंधक (ईबी) के छोटे भ्राता ललित कुमार का अकस्मिक निधन हो गया है। अंतिम यात्रा उनके निवास पंजाबी बाग कॉलोनी स्थित ए-4 से सुभाष नगर विश्राम घाट के लिए मंगलवार 12 मई को प्रातः 10 बजे प्रस्थान करेगी।

निगम प्रशासन की मनमर्जी: आपतियों के चलते रुका निर्माण कार्य

ग्रीन बेल्ट-बस स्टॉप पर ही बना दिए पब्लिक टॉयलेट के स्ट्रक्चर

80 पब्लिक टॉयलेट के लिए 160 स्क्वायर फीट में बने हैं स्ट्रक्चर, जनप्रतिनिधियों की आपत्ति के चलते काम पर ब्रेक

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

शहर में सार्वजनिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे पब्लिक टॉयलेट विवादों में घिर गए हैं। कई इलाकों में कहीं ग्रीन बेल्ट तो कहीं बस स्टॉप के पास पब्लिक टॉयलेट के लिए स्ट्रक्चर खड़े कर दिए गए हैं, जिस पर स्थानीय रहवासियों और जनप्रतिनिधियों ने आपत्ति जताना शुरू कर दी है। इसके चलते फिलहाल इनका निर्माण रुका हुआ है।

नगर निगम ने अमृत 2.0 योजना के तहत शहर के 85 वार्डों में करीब 150 पब्लिक यूनिटल टॉयलेट बनाने का काम शुरू किया था। इसके लिए केंद्र सरकार से बजट भी मिला है। निगम अधिकारियों के अनुसार अब तक 106 टॉयलेट के लिए टेंडर जारी किए जा चुके हैं और लगभग 80 स्थानों पर स्ट्रक्चर तैयार कर दिए गए हैं। हालांकि इनमें से करीब 30 स्थानों पर निर्माण रद्द करना पड़ा है।



केवी 1 के पास निर्माणाधीन पब्लिक टॉयलेट ।

जगह के चयन को लेकर है आपत्ति

निगम अधिकारियों के मुताबिक प्रत्येक टॉयलेट के निर्माण पर लगभग 4 लाख रुपए खर्च होंगे। जिसका आकार करीब 160 स्क्वायर फीट रखा गया है। शहर में ऐसे स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं जहां लोगों की आवाजाही अधिक है और सार्वजनिक शौचालय की जरूरत महसूस की जा रही है, लेकिन जगह चयन को लेकर ही सबसे ज्यादा आपत्ति सामने आ रही है। जिसको लेकर नए सिरे से जगह चिन्हित करने की कवायद चल रही है। इस संबंध में नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन का कहना है कि आम लोगों की सुविधा को देखते हुए पब्लिक टायलेट का निर्माण करवाया जा रहा है। जगह के चयन को लेकर कुछ सुझाव आए हैं उन पर विचार हो रहा है।



अप्सरा टॉकीज के पास निर्माणाधीन टॉयलेट ।

आर्ट ऑफ लिविंग ने लगाया शिविर 47 यूनिट रक्तदान: युवाओं ने दिया मानव सेवा का संदेश



रक्तदान शिविर ।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के 70वें अवतरण दिवस एवं संस्था के 45 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सेवा, स्वास्थ्य एवं मानव कल्याण की भावना से आयोजित इस शिविर का सफलतापूर्वक समापन 47 यूनिट रक्तदान के साथ हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। रक्तदाताओं में विशेष रूप

से युवाओं का उत्साह आकर्षण का केंद्र रहा। आर्ट ऑफ लिविंग के सदस्य सुनील कुशवाहा ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुदेव की प्रेरणा से संस्था निरंतर सेवा, साधना एवं सत्संग के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान के समान है तथा प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए।

रानी कमलापति एवं निशातपुरा स्टेशनों का किया निरीक्षण पश्चिम मध्य रेलवे जीएम ने जेडटीआई वंदेभारत डिपो की कार्य गुणवत्ता जांची



पमरे जीएम ने किया निरीक्षण ।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने सोमवार को भोपाल मण्डल के रानीकमलापति रेलवे स्टेशन, जोनल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, वंदेभारत कोचिंग डिपो एवं निशातपुरा रेलवे स्टेशन और मण्डल के कंट्रोल ऑफिस का निरीक्षण किया। जीएम सिंह सबसे पहले डीआरएम के साथ साथ रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यात्री विश्रामालय,

एस्कलेटर, स्टेशन कंट्रोल रूम (सीसीटीवी कक्ष) का निरीक्षण, साथ ही गहनता से प्रजेंटेशन के माध्यम से रानी कमलापति स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। इसके बाद निशातपुरा में 24.79 करोड़ की लागत से नवनिर्मित मल्टी डिसेप्नरी, जोनल रेलवे इंस्टिट्यूट के क्लासरूम, माडल रूम, आडोडोरियम ब्लाक का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को शेष कार्यों को निश्चित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रदेश का पहला हाईटेक व अत्याधुनिक घुटने व हिप प्रत्यारोपण का रोबोटिक सेंटर एसएमएच में स्थापित

अब भोपाल में भी होगा एआई आधारित हाई-प्रिसिजन से घुटने व हिप का प्रत्यारोपण

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

गंभीर व जटिल घुटने व हिप प्रत्यारोपण के मरीजों को अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई या हैदराबाद जैसे महानगरों का रुख करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब यह अत्याधुनिक सुविधा भोपाल में उपलब्ध होने से प्रदेश के मरीजों को विश्वस्तरीय उपचार स्थानीय स्तर पर मिल सकेगा। सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल (एसएमएच) ने प्रदेश का पहला ऐसा अस्पताल बनने का गौरव प्राप्त किया है, जहां अत्याधुनिक रोबोटिक-असिस्टेड सर्जिकल तकनीक माको रोबोटिक सिस्टम (एमएफकेओ रोबोटिक सिस्टम) स्थापित किया गया है।

सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के 22 वर्षों के अनुभवी सीनियर ज्वाइंट रीप्लेसमेंट, स्पोर्ट्स



रोबोटिक सेंटर की विशेषताओं की जानकारी देते एसएमएच के विशेषज्ञ ।

इंजरी एवं ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. मनोज नागर ने बताया कि अब भोपाल में एआई आधारित हाई-प्रिसिजन जाईंट रिप्लेसमेंट सर्जरी अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक के साथ संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि माको रोबोटिक सिस्टम वर्तमान समय की सबसे एडवांस, प्रिसाइज और सुरक्षित तकनीकों में से एक है। डॉ. नागर ने स्पष्ट

किया कि यह पूरी तरह सर्जन-नियंत्रित तकनीक है। रोबोट स्वयं सर्जरी नहीं करता, बल्कि सर्जन को अत्यधिक सटीकता के साथ ऑपरेशन करने में सहायता देता है। प्रेस वार्ता के दौरान समापन सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. आदित्य अग्रवाल डायरेक्टर और सीईओ डॉ अतुल अदानीया मौजूद रहे।

भोपाल। जेके हॉस्पिटल में नवजात शिशुओं की मृत्यु दर कम करने नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम (एनएनएफ) इंडिया द्वारा देशभर में नियोनेटल रिसिसिटेशन प्रोग्राम (एनआरपी) दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नवजात पुनर्जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह अभियान एनएनएफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. ललन कुमार भारती के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य जन्म के तुरंत बाद जरूरत पड़ने पर नवजात शिशुओं को समय पर प्रभावी श्वास सहायता और पुनर्जीवन सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि मौतों को कम किया जा सके। एनएनएफ इंडिया द्वारा इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत पूरे देश में 998 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं,

जिनमें करीब 20 हजार स्वास्थ्यकर्मी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण अभियान महानगरों के साथ ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाया जा रहा है। मध्यप्रदेश में भी विभिन्न केंद्रों पर एनआरपी प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिससे नवजात आपातकालीन देखभाल सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. चंद्रमोहन एस. रेड्डी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लीड इंस्ट्रक्टर के रूप में डॉ. ज्योत्सना श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव रहें, एवं को-इंस्ट्रक्टर के रूप में डॉ. श्वेता आनंद एवं डॉ. मंजरी गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

ALLEN

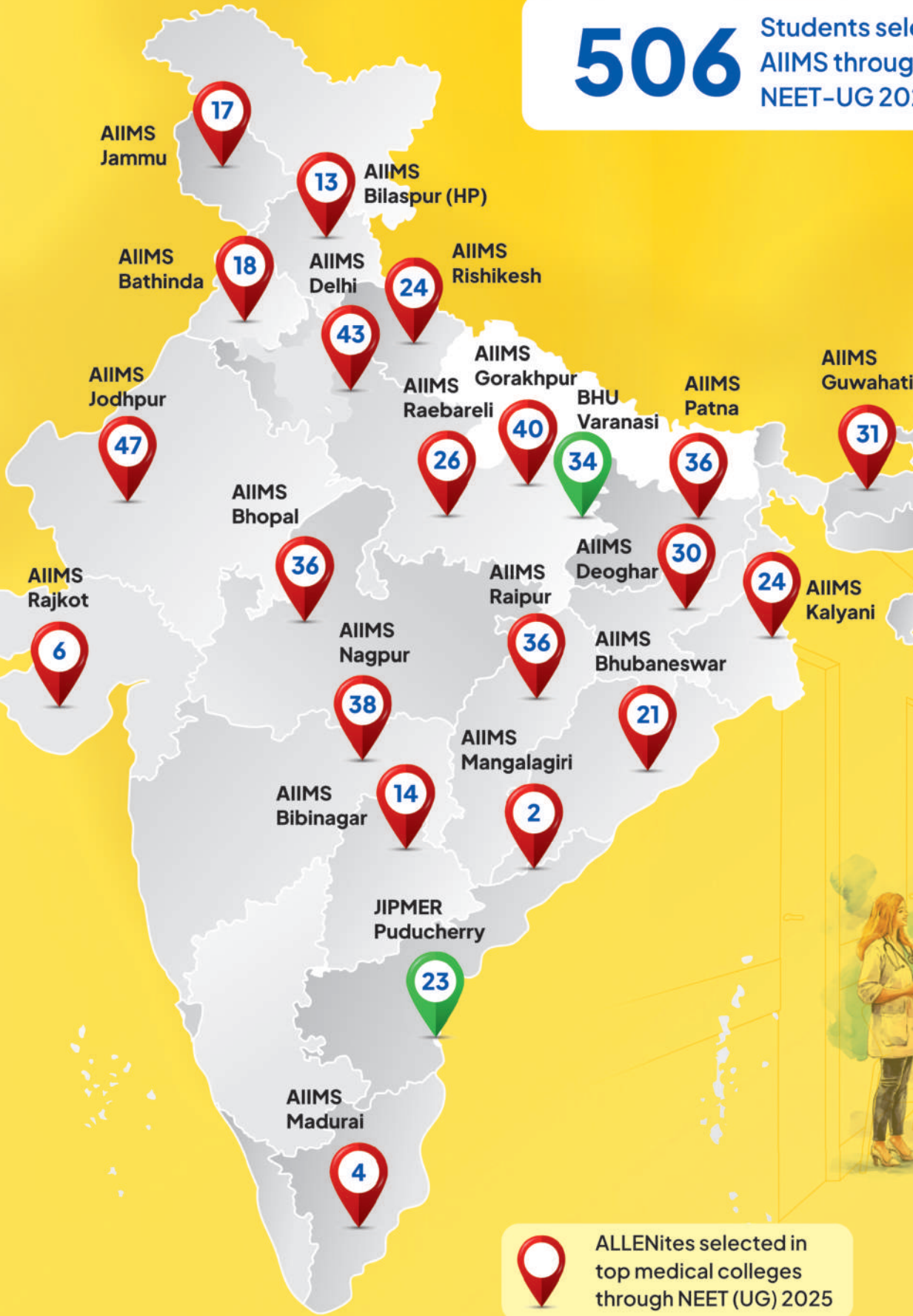
जब ड्रीम मेडिकल कॉलेज
हो Destination,
करो ALLEN के साथ सही Preparation



506 Students selected in
AIIMS through
NEET-UG 2025

13 All India Rank 1 in last
16 years in pre-medical
entrance exam

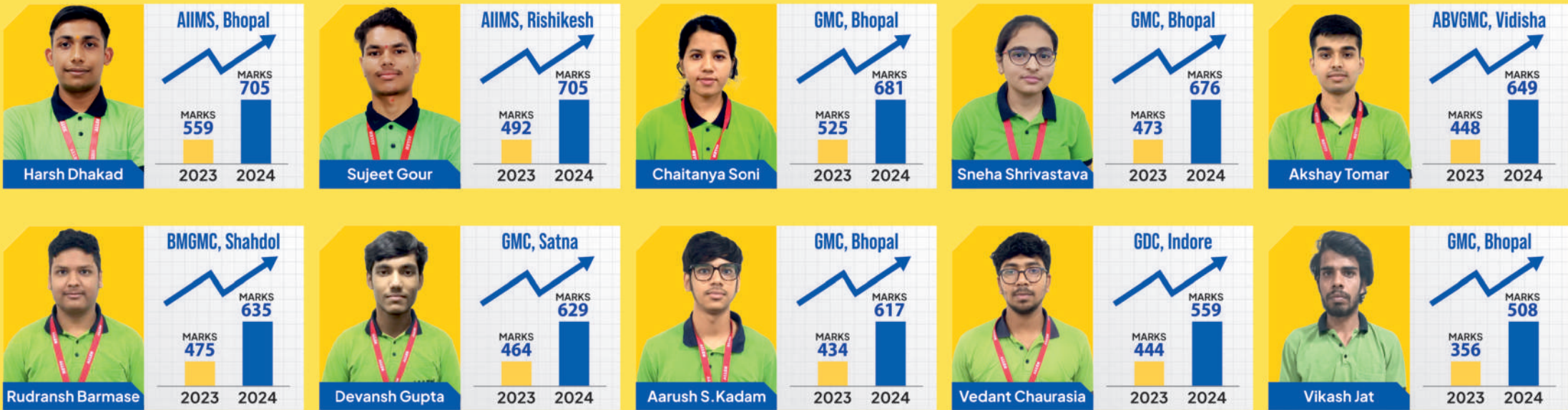
Note: Map not to scale. Dimensions and locations are approximate and for identification purposes only.



ALLENites selected in
top medical colleges
through NEET (UG) 2025



They made it happen with ALLEN BHOPAL. Now it's your turn.



...and many more success stories



ADMISSIONS OPEN

JEE | NEET | OLYMPIADS | CLASSES 6TH TO 12TH & 12TH PASS

NEW BATCHES FROM 18 MAY ONWARDS

Attention! Get up to 90%* Scholarship based on NEET 2026 rank/score. *T&C Apply.



SIGN UP FOR ASAT
GET UP TO 90% SCHOLARSHIP*

Test Dates
17 & 24 MAY

For test dates & course start dates visit website or nearest centre. *Subject to the scholarship rules and the T&Cs.

ALLEN BHOPAL
89513 95480
allen.ac.in/bhopal

ALLEN KOTA
86906 60111
allen.in

Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment to prepare students for their target examinations. Studying in a coaching institute does not guarantee selection for the examination. Selection depends on preparation, admission seats in competitive exam and the number of applicants appearing. All the students mentioned are part of full-time, paid classroom courses.

जनता को टेंशन देने की बजाए देना चाहिए राहत: उमंग

विशेष प्रतिनिधि ►►मोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनता से किए गए आग्रह पर देश भर में बहस छिड़ गई है। उन्होंने लोगों से फिलहाल सोना न खरीदने, खाद और तेलों का उपयोग कम करने के साथ पेट्रोल-डीजल का कम उपयोग करने का आह्वान किया है। लोगों का कहना है कि सबसे ज्यादा पेट्रोल-डीजल राजनीतिक रैलियों में खर्च होता है, इसलिए इनमें प्रतिबंध लगना चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की प्रतिक्रिया ने



आग में घी डालने का काम किया है। बावजूद इसके भाजपा को उम्मीद है कि सकारात्मक असर देखने को मिलेगा और आने वाले समय में इस संदर्भ में जरूरी निर्णय लिए जाएंगे। दूसरी तरफ कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री को लोगों को टेंशन देने की बजाय राहत देने का काम करना चाहिए। वैसे भी राजनीतिक रैलियों में भाजपा ही भीड़ जुटाने के लिए गाड़ियों में पेट्रोल-डीजल फूँकती है, कांग्रेस की रैलियों में तो कार्यकर्ता खुद आते हैं।

मोदी के आह्वान पर भाजपा को सकारात्मक उम्मीद, कांग्रेस को दिखी जनता की परेशानी

►► प्रधानमंत्री ने किया देश के लिए खड़ा होने का आग्रह: हितेश

जल्दी देखने को मिलेगा असर: वाजपेयी

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ हितेश वाजपेयी ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान देश के प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक कार्यकर्ता और प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी के लिए है। इसमें कोई छोटा-बड़ा छूटा नहीं है। उन्होंने सभी से देश के लिए खड़े होने का एह आग्रह किया है। इसका असर आपको जल्दी देखने को मिलेगा। अभी तो प्रधानमंत्री ने बात कही है। भविष्य में इस संदर्भ में हर स्तर पर आपको निर्णय भी देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कैसे हो सकता है कि प्रधानमंत्री कोई आग्रह करे और भाजपा संगठन उस पर गौर न करे?



डॉ हितेश वाजपेयी

आह्वान को राजनीतिक चश्मे से देखना ठीक नहीं: पंकज चतुर्वेदी



पंकज चतुर्वेदी

भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र हित में लोगों से आह्वान किया है, इसलिए इसे राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। देश हित में उनके आह्वान पर हर व्यक्ति को प्रयास करना चाहिए। यह स्वैच्छित अभियान होगा, जिस पर अधिकांश चलते दिखाई पड़ेंगे। जहां तक भाजपा का सवाल है तो प्रदेश अध्यक्ष ने बैटरी वाली गाड़ी का उपयोग पहले से प्रारंभ कर रखा है। पार्टी कई कार्यक्रम ऑनलाइन करने लगी है। आगे भी प्रधानमंत्री मोदी के आग्रह को फालो किया जाएगा।

पेट्रोल-डीजल के लिए परेशान होंगे लोग: जीतू पटवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि सरकार विदेश नीति पर फेल हो चुकी है। अब लोग डीजल-पेट्रोल के लिए परेशान होंगे। उन्होंने कहा कि नेताओं को भी काफिले में कमी करनी चाहिए लेकिन पहले भाजपा से शुरुआत होनी चाहिए। जहां तक रैलियों का सवाल है तो जनता को बस सफर के लिए उपबल्लध कराने की जिम्मेदारी सरकार की है। बाकी जनता की भीड़ जुटाने में भाजपा माहिर है। कांग्रेस के कार्यकर्ता खुद ही कार्यक्रमों में पहुंचते हैं। उनके पास फिजूलखर्ची के लिए पैसा ही नहीं है।



जीतू पटवारी

पेट्रोल-डीजल पर जनता को दे दिया टेंशन: उमंग सिंघार

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि जनता आज परेशान हो रही है। करोड़ों रुपए का कर्ज है। सरकार को जनता को मंहगाई से राहत देनी चाहिए। मोदी जी ने राहत देने की बजाय डीजल -पेट्रोल को लेकर जनता को टेंशन दे दिया है। जनता खुद फैसला करें कि क्या वह मंहगाई और सरकार के साथ है। उन्होंने कहा कि आज हर वर्ग परेशान है। भाजपा के लोग मस्त होकर मलाई आ रहे है। वे ही वाहनों के काफिले के साथ चल कर पेट्रोल, डीजल की बरबादी करते हैं। रैलियों में भीड़ जुटाने के लिए भी पैसा बहाया जाता है। भाजपा को रैलियां और काफिले में चलना बंद कर देना चाहिए।



उमंग सिंघार

गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले वृद्धजनों की पेंशन के लिए 6 हजार 116 करोड़ रुपए की मंजूरी डामर की बढ़ती कीमतों के लिए 10 करोड़ रु. से नीचे के ठेकों में ठेकेदारों को कंपनसेशन देगी सरकार, कैबिनेट में निर्णय

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

मप्र कैबिनेट ने प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों को गति देने के लिए 10 करोड़ रुपए से कम लागत के डामरीकरण के ठेके में मूल्य समायोजन (कंपनसेशन) को स्वीकृति दी है। इस अनुसार लोक निर्माण विभाग के तहत 10 करोड़ रुपए से कम लागत वाले डामरीकृत मार्गों के निर्माण, नवीनीकरण और संधारण कार्यों के अनुबंधों में अब मूल्य समायोजन का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए एक विशिष्ट फॉर्मूला [V = Q(W_f - W_o)] निर्धारित किया गया है, जिससे डामर की बढ़ी हुई दरों का बोझ ठेकेदारों पर नहीं पड़ेगा। कैबिनेट में लिए गए निर्णय के अनुसार छोटे और मध्यम स्तर के ठेकेदारों को बड़ी राहत मिलेगी। कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो सकेंगे। वैश्विक स्तर पर डामर (बिटुमेन) की कीमतों में हो रही अप्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए ठेकेदारों को मूल्य समायोजन का लाभ देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त कैबिनेट ने मप्र सड़क विकास निगम के तहत संचालित ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन) और एचएएम (हार्डब्रिड एन्यूटी मॉडल) परियोजनाओं में 'शिड्यूल-जी' और 'शिड्यूल-एच' के तहत मूल्य समायोजन की गणना त्रैमासिक के स्थान पर भारत सरकार के मोर्थ (सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय) के नियमों के अनुसार मासिक आधार पर करने की मंजूरी दी है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे डामर की दरों में 20 से 30 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। इस कारण कई निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे थे।

►► छोटे और मध्यम स्तर के ठेकेदारों को बड़ी मिलेगी राहत, समय-सीमा के भीतर पूर्ण हो सकेंगे काम-काज



जन-कल्याण की दिशा में लिए गए कई ऐतिहासिक निर्णय

सीएस की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश के समाज विकास और जन-कल्याण की दिशा में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। प्रदेश में बुनियादी ढांचे के सुदृढीकरण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सिंचाई सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं के लिए 29 हजार 540 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

वृद्धजनों की पेंशन के लिए 6 हजार 116 करोड़ रुपए स्वीकृत

वृद्धजनों की पेंशन के लिए 6 हजार 116 करोड़ स्वीकृत हुए हैं। जबकि चिकित्सा क्षेत्र के विस्तार के लिए बुढ़ी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए 763.40 करोड़ रुपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई।

सड़कों के नव निर्माण और मेंटनेंस की मिली मंजूरी

शहरी एवं नगरीय मार्गों के नव निर्माण और उन्नयन सहित सड़कों के सुदृढीकरण से संबंधित योजनाओं को सोलहवें वित्त आयोग की अवधि तक निरंतर संचालन के लिए 6 हजार 900 करोड़ की स्वीकृति दी है।

अगली मोहन कैबिनेट में आपसी तबादला नीति, मंत्री टाह ने कहा- स्वेचछिक स्थानांतरण में लिमिट तय न हो, सीएम बोले- विचार करेंगे

मोपाल। प्रदेश में कर्मचारियों के तबादले पर बैन हटाने का फैसला अगले सप्ताह को होगा। इस बीच जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने कहा है कि जो तबादला नीति आए उसमें स्वेचछिक आधार पर किए जाने वाले तबादलों की लिमिट न रखी जाए ताकि जो

लोग तबादला कराना चाहते हैं वे कर सकें। कई अन्य मंत्रियों ने मंत्री शाह की बात का समर्थन किया है। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इस पर विचार करेंगे। साथ ही अगली बैठक में तबादला नीति लाने के लिए कहा गया। सोमवार को

मोहन कैबिनेट की बैठक में अनौपचारिक संवाद के दौरान तबादला नीति को लेकर चर्चा में यह बात आई है। मंत्री चैतन्य काश्यप ने कैबिनेट डीफिक के दौरान सिर्फ इतना ही कहा है कि जन नीति जारी हो जाएगी तो जानकारी देंगे।

वैश्विक संकट और सप्लाई चैन की चुनौतियों को देखते हुए प्रधानमंत्री के सुझावों को अपनाना जाए

मोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आग्रह किया है कि वैश्विक संकट और सप्लाई चैन की चुनौतियों को देखते हुए उनके सुझावों को अपनाना जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों से डीजल पंप के स्थान पर सोलर पंप के उपयोग करने

■ सीएम ने कैबिनेट बैठक के पहले मंत्रियों से की चर्चा

रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में कमी लाकर प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह भी किया है। इससे पेट्रोलियम पदार्थ और उर्वरक के आयात में कमी आएगी। सीएम मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक के पहले मंत्रियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन सार्वजनिक परिवहन सेवा का उपयोग कर या इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग कर ईंधन बचाने का के कार्य में सहयोग करें। प्रधानमंत्री के आग्रह के अनुसार इस संकट काल में कम से कम एक वर्ष विदेशों की योजना भी स्थगित की जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कूनो नेशनल पार्क के जंगल में मुक्त किए 2 मादा चीते

कहा, अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर बनाया मप्र परिवार का हिस्सा



मादा चीतों को वन में स्वच्छद विवरण के लिए विमुक्त करते मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ►►मोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती ने चीतों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर, उन्हें पुनर्स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर अपने परिवार का हिस्सा बनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाभग साढ़े तीन वर्ष पहले कूनो में चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। आज देश में चीता पुनर्स्थापना का यह प्रोजेक्ट सफलता के साथ में आयामों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्य में मध्यप्रदेश नित नए कीर्तिमान रच रहा है। डॉ यादव ने यह बात श्यापुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में 2 मादा चीतों को खुले जंगल में मुक्त करते हुए कही।

मप्र ने बनाई चीता स्टेट के रूप में पहचान

सीएस ने कूनो नदी के किनारे स्थित चीता रिलीज साइट पर सीसीवी -2, सीसीवी -3 चीतों को खुले जंगल में छोड़ा उन्होंने कहा कि मप्र धर्म, विवेश एवं जैव विविधता के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका और अब बोत्सवाना से लाखों मादा चीतों के पुनर्स्थापन को निरंतर सफलता मिल रही है। इस दौरान नवीन एवं नवतन्त्रीय उर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, मप्र वन विकास विभाग के अध्यक्ष रामनिवास रावत, सहरिया विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष गुड्डी बाई आदिवासी आदि मौजूद रहे।

►► श्रमिक मंच के अध्यक्ष अरुण पांडे के अनुसार श्रम आयुक्त के आदेश बावजूद वन सुरक्षा श्रमिकों के वेतन में भी बढ़ोतरी नहीं की गई दैनिक वन सुरक्षा श्रमिकों को न मिला एरियर न बढ़ा वेतन, डीएफओ को दिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

वन विभाग की सभी रेंजों में कार्यरत दैनिक वन सुरक्षा श्रमिकों ने मध्यप्रदेश वन सुरक्षा श्रमिक मंच के नेतृत्व में डीएफओ मोपाल, लोकप्रिय भारती को अपनी पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन दिया। रातधानी स्थित फरिस्ट डिविजन ऑफिस में ज्ञापन सौंप जाने के दौरान अरुण पांडे, देवेंद्र नगर, आशीष जाटव, हरिसारथण रेकवार, खेलन सिंह, मेसाराम, विक्रम, रोड सिंह आजाद, मथुरा दास, भागीलाल, कमल सिंह, गोरेलाल, अनवर, राजकुमार शर्मा, पर्वत, मुकेश, जावेद, प्रभु, चांद खान, बालवीर, जय सिंह, राजू, रोहित आदि वन सुरक्षा श्रमिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुरक्षा श्रमिकों को एरियर का भुगतान नहीं



डीएफओ को मांग पत्र सौंपते वन सुरक्षा श्रमिक मंच के अध्यक्ष।

वन सुरक्षा श्रमिक मंच के अध्यक्ष अरुण पांडे ने बताया कि श्रम विभाग के आयुक्त के आदेश को एक साल बीत जाने के बाद भी मोपाल वन मंडल के सभी रेंजों में कार्यरत श्रमिकों को एरियर का भुगतान नहीं किया गया है।

स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने की राहुल गांधी पर टिप्पणी पटेल ने लिखा- ‘ऐसा नेता प्रतिपक्ष अभी तक नहीं हुआ’

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से पेट्रोल-डीजल का संयमित उपयोग करने और एक साल तक सोने की खरीद से बचने की अपील पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना का भाजपा ने तीखा जवाब दिया है। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने फेसबुक पोस्ट में नेता प्रतिपक्ष के बारे में कहा कि उन्हें अपने पूर्वजों का भी ज्ञान नहीं है। मंत्री पटेल ने

बिना राहुल गांधी का नाम लिए लिखा कि ऐसा नेता प्रतिपक्ष अभी तक नहीं हुआ है, जिसको अपने पूर्वजों का भी ज्ञान नहीं है, जिसको अपनी पार्टी की सरकारों के द्वारा की गई अपीलों का ज्ञान नहीं है। नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कांग्रेस शासनकाल की पुरानी अपीलों का हवाला देते हुए कहा- एक समय का खाना छोड़ दो, अपना सोना और धन सरकारी खजाने में दान करें, बचत करो और अतिरिक्त टैक्स दो, पैसे पेड़ पर नहीं लगते जैसी अपीलें कांग्रेस सरकारों ने ही की थीं।

किसान कांग्रेस अध्यक्ष को जिलाबदर किए जाने के विरोध में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन पैर पड़ने एएसपी के पीछे घूमे विधायक- उज्जैन में पुलिस ने लाठीचार्ज किया, किसान घायल

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

उज्जैन में किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट को जिलाबदर किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने उग्र प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। एक किसान जयराम जाट घायल हो गया, जबकि तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। प्रदर्शन से पहले कांग्रेस विधायक महेश परमार और पुलिस के बीच बहस का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में परमार एडिशनल एसपी आलोक शर्मा के पैर पड़ने के लिए उनके पीछे घूमते दिखाई दे रहे हैं।



उज्जैन में प्रदर्शन करते कांग्रेस नेता।

गुंडे खुलेआम घूम रहे

विधायक महेश परमार ने कहा, जाट किसानों की आवाज पर पहुंच जाते हैं। ऐसे नेता को जिलाबदर किया गया, जबकि उज्जैन में गुंडे खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ता को कलेक्टर परिसर तक नहीं जाने दिया।

कारवाई के खिलाफ एएसपी पहुंचे किसान नेता अशोक

इधर, जाट जिला बदर की कार्रवाई के खिलाफ इन्डोर हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कार्रवाई के खिलाफ याचिका लगाई है। अब मामले में 13 मई को सुनवाई होगी है। महिबुलपुर विधायक दिनेश जेठ बोंस ने कहा कि वे किसानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे।

पीएम मोदी की सोना नहीं खरीदने की हालिया अपील पर दी तीखी प्रतिक्रिया, बंगाल चुनाव प्रक्रिया पर उठाए सवाल

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि मोदी की सोना नहीं खरीदने की अपील पर तीखी प्रतिक्रिया दी। पत्रकारों से चर्चा करते हुए जीतू पटवारी ने पश्चिम बंगाल चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वहां लोकतंत्र की हत्या हुई है। चुनाव को लूटा गया है। चुनाव के बीच में अधिकारियों के तबादले किए गए और करीब 70 लाख लोगों का मतदान होल्ड कर दिया गया। उनका कहना था कि इस प्रकार की घटनाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा हैं और आने वाली पीढ़ी के लिए अच्छा संदेश नहीं देती। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से नहीं कराए गए।



आदिवासी परिवारों से मुलाकात करते पटवारी।

प्रदेश में कुपोषण की स्थिति पर जताई चिंता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सतना जिले में कुपोषण की गंभीर स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जिले में सबसे ज्यादा कुपोषण देखने को मिल रहा है, लेकिन सरकार केवल दावे कर रही है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि मात्र 40 रुपए में किसी बच्चे को पोषित करना कैसे संभव हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुपोषण दूर करने के नाम पर केवल

प्रदेश में पर्ची से चल रही सरकार

प्रधानमंत्री द्वारा रविवार को देशवासियों से पेट्रोल डीजल का कम इस्तेमाल और सोना नहीं खरीदने की अपील पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश को ऐसा विश्वगुरु बनाना चाहते हैं जिसमें विदेश मत जाओ, सोना नहीं खरीदो। उन्होंने कहा कि मैं फिर दोहरा रहा हूं कि देश के सबसे कमजोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। प्रदेश की पूर्वी वाली सरकार मोदी और शाह चला रहे हैं और भारत का शासन ट्रंप चला रहे हैं। पीसीसी चीफ ने कहा कि एक्स्प्रेस फाइनल का अभी आधा सच भी बाहर नहीं आया है। 33 हजार फाइनल अभी खुलना बाकी है। जिस दिन पूरा सच सामने आएगा तो पता चलेगा कि मोदी की लगाम ट्रंप के हाथों में है।

पन्ना। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने सोमवार को पन्ना जिले के विश्रामगंज और बालपुर क्षेत्र का दौरा कर केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों और किसानों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विस्थापन, अय्यापंत मुआवजा, आवासीय संकट और डैम निर्माण से तनित समस्याओं को लेकर ग्रामीणों की शिकायतें सुनीं और भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी उनके हक, सम्मान और न्याय की लड़ाई मजबूती से लड़ेगी।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा आदिवासियों, किसानों और कमजोर वर्गों की

आवाज को प्राथमिकता देते हैं और जरूरत पड़ने पर स्वयं भी प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचेंगे। पटवारी ने प्रशासनिक अधिकारियों से परियोजना प्रभावित परिवारों की वास्तविक संख्या, मुआवजे की स्थिति और पुनर्वास की पूरी जानकारी मांगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी परिवार में तनित समस्या बेटे हैं तो सभी को अलग परिवार मानते हुए उनका अधिकार सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि कितने लोगों को खेती की जमीन का मुआवजा मिला, कितनों को मकानों का भुगतान हुआ और कितने परिवार अब भी अपने अधिकारों से वंचित हैं। उन्होंने

कहा कि भाजपा सरकार प्रभावित परिवारों को मकान के नाम पर मात्र एक लाख रुपये देने की बात कर रही है, जबकि वर्तमान समय में इतने पैसे में छोटा प्लॉट तक नहीं खरीदा जा सकता। जिस क्षेत्र में 10 लाख रुपये से कम में जमीन उपलब्ध नहीं है, वहां आदिवासी और गरीब परिवारों को नाममात्र का मुआवजा देकर उजाड़ा जा रहा है। पटवारी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री मंचों से भूमि अधिग्रहण पर चार गुना मुआवजा देने की बात करते हैं, लेकिन केन-बेतवा परियोजना में आदिवासियों की जमीन कीड़ियों के भाव अधिकारों की जा रही है।

पीएम की नसीहत और पेट्रोल डीजल में मूल्यवृद्धि के संकेत के बाद चर्चा गर्म

एक लीटर में 17 रुपए तक का नुकसान, चरणबद्ध बढ़ेगी कीमतें, पहले फेस में आठ रुपए तक की बढ़ोतरी संभव

भोपाल में हर रोज 9.5 लाख लीटर पेट्रोल, 12 लाख लीटर डीजल और मप्र में 1200 मीट्रिक टन पेट्रोल, करीब 1600 मीट्रिक टन डीजल की सालाना खपत

राष्ट्रिय प्रतिनिधिभोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नसीहत और पेट्रोल-डीजल के दाम में मूल्यवृद्धि के संकेत दिए जाने के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर बाजार में एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। पेट्रोल पंप संचालन कार्य से जुड़े पंप संचालकों के अनुसार आने वाले समय में ईंधन के दामों में वृद्धि और सुनिश्चित हो गई है।

इस संबंध में मध्यप्रदेश पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में तेल कंपनियों को प्रति लीटर लगभग 17 रुपए तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में ईंधन कीमतों में चरणबद्ध तरीके से बढ़ोतरी की संभावना है। उनका मानना है कि पहले चरण में पेट्रोल और डीजल के दामों में करीब 8 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हो सकती है। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों, परिवहन लागत और टैक्स संरचना के कारण तेल कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। अजय सिंह का मानना है कि यदि कीमतों में बढ़ोतरी होती है तो इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ेगा। परिवहन लागत बढ़ने से खाद्य पदार्थों, दैनिक उपयोग की वस्तुओं और लॉजिस्टिक्स सेक्टर पर भी असर देखने को मिल सकता है। हालांकि, अभी तक सरकार या तेल कंपनियों की ओर से आधिकारिक रूप से किसी मूल्य वृद्धि की घोषणा नहीं की गई है। लेकिन बाजार में बढ़ती अटकलों के बीच उपभोक्ताओं और परिवहन उद्योग की नजरें आगामी निर्णयों पर टिकी हुई हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंह के मुताबिक मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रतिदिन लगभग 9.5 लाख लीटर पेट्रोल और करीब 12 लाख लीटर डीजल की खपत होती है। जबकि मध्यप्रदेश में लगभग 1200 मीट्रिक टन पेट्रोल

और करीब 1600 मीट्रिक टन डीजल की सालाना खपत होती है। पेट्रोल पंप एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारियों का कहना है कि यदि तेल के दाम बढ़ें, तो इसका सीधा असर आम उपभोक्ता से लेकर ट्रांसपोर्ट सेक्टर और पेट्रोल पंप कारोबार तक दिखाई देगा। कहा कि जा रहा है कि कीमतें बढ़ने पर सबसे पहले आम लोग गैरजरूरी वाहन उपयोग कम करते हैं। इससे पेट्रोल पंपों पर बिक्री घट सकती है। खासकर छोटे और ग्रामीण इलाकों के पंपों पर असर ज्यादा पड़ने की आशंका है। ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ने से माल ढुलाई महंगी होगी और इसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ सकता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ने को भी इसी बदलाव से जोड़कर देखा जा रहा है। इधर केंद्र सरकार भी लगातार ईंधन बचत और वैकल्पिक ऊर्जा पर जोर दे रही है।

कीमतों में वृद्धि होगी तो जनता की जेब पर पड़ेगा असर

आधिकारिक रूप से नहीं हुई मूल्य वृद्धि की घोषणा

परिवहन उद्योग की नजरें आने वाले निर्णयों पर टिकी



अजय सिंह



राजधानी के बैरसिया रोड स्थित ज़िओ बीपी पंप के संचालक समीर भार्गव का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में पेट्रोल-डीजल के समझदारी से उपयोग की अपील की थी और तेल आयात पर बढ़ते आर्थिक दबाव का उल्लेख किया था। पेट्रोल, डीजल की बिक्री से कंपनी भारी नुकसान में है। इस वजह से पेट्रोल पंप पर सप्लाई बहुत सीमित हो रही है। पेट्रोल पंप संचालक एक तरीके से राशनिंग करनी पड़ती है, अगर रेट बढ़ते हैं तो सप्लाई सही होने की संभावना है।

भोपाल में आउट ऑफ इंडिया टूर बुकिंग घटी

पश्चिम एशिया संकट और विदेश यात्राओं को लेकर बढ़ती संकटता का असर अब टैवल इंडस्ट्री पर भी दिखाई देने लगा है। भोपाल की कई टैवल एजेंसियों में पिछले एक सप्ताह के दौरान आउट ऑफ इंडिया टूर पैकेज की बुकिंग में गिरावट दर्ज की जा रही है। लेकिन आज ज़ीरो बुकिंग हुई है। वहीं घरेलू पर्यटन स्थलों के पैकेजों की मांग तेजी से बढ़ रही है। भोपाल की रीतू टैवल एजेंसी के संचालक मालिनी ने बताया कि पिछले एक सप्ताह की तुलना में अब विदेश यात्रा के लिए पैकेजों का के बराबर हो रही है। लोगों का रुझान फिलहाल देश के भीतर घूमने की ओर बढ़ा है। एजेंसी के अनुसूच शिमला, मंगाली, गोवा, केरल, कश्मीर और उत्तराखंड जैसे घरेलू पर्यटन स्थलों के पैकेज सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।

गर्मी के शुरुआत के साथ विदेश टूर पैकेज कराए गए बुक

वहीं, जोया टैवल एजेंसी ने बताया कि गर्मियों की शुरुआत के साथ पिछले डेढ़ महीने में बड़ी संख्या में लोगों ने विदेश टूर पैकेज बुक कराए हैं। इनमें खासतौर पर थाईलैंड, कंबोडिया, बाली और बैंकॉक जैसे पर्यटन स्थलों के लिए सबसे अधिक पूछताछ हुई है। टैवल एजेंसियों का कहना है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और बढ़ती अनिश्चितताओं के कारण लोग फिलहाल विदेश यात्रा को लेकर सतर्क रुख अपना रहे हैं।

और बुकिंग हुई थी। टैवल एजेंसियों का कहना है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और बढ़ती अनिश्चितताओं के कारण लोग फिलहाल विदेश यात्रा को लेकर सतर्क रुख अपना रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गईं वर्क फ्रॉम होम की नसीहत पर उद्योगपतियों ने कहा कि कोई भी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट वर्क फ्रॉम होम से नहीं चलता। मध्यप्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों गांवेंदपुरा, मंडीदीप और पीथमपुर के उद्योगपतियों ने वर्क फ्रॉम होम मॉडल पर अपनी राय रखी है। उद्योग संगठनों का कहना है कि आईटी और प्रशासनिक कार्यों में यह मॉडल उपयोगी हो सकता है, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में इसका असर सीमित रहेगा। कुल मिलाकर उद्योग जनता का मानना है कि वर्क फ्रॉम होम का सबसे बड़ा सकारात्मक असर ईंधन बचत और ट्रैफिक दबाव कम होने के रूप में दिख सकता है। वहीं नकारात्मक पक्ष यह है कि उत्पादन आधारित उद्योगों में कार्य अनुशासन और टीम समन्वय प्रभावित होने की आशंका रहती है। उद्यमी योगेश गोयल ने "हाइब्रिड मॉडल" को बेहतर विकल्प बताया है। उनके अनुसार प्रशासनिक और तकनीकी स्टाफ को सीमित स्तर पर वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी जा सकती है, जबकि उत्पादन से जुड़े कर्मचारियों की फैक्ट्री में मौजूदगी अनिवार्य रहनी चाहिए। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले समय में तकनीकी और ऑटोमेशन बढ़ने के साथ कार्यशैली में बदलाव जरूर होगा, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पूरी तरह घर से संचालित नहीं किया जा सकता।

उत्पादन क्षमता पर पड़ेगा इसका सीधा असर

गांवेंदपुरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय गौर ने कहा कि फैक्ट्री आधारित उत्पादन में मशीनों की निगरानी, गुणवत्ता नियंत्रण और समय पर उत्पादन सबसे अहम होते हैं। ऐसे में कर्मचारियों की फिजिकल मौजूदगी जरूरी रहती है। उनका कहना है कि बड़े स्तर पर वर्क फ्रॉम होम लागू होने से उत्पादन क्षमता प्रभावित हो सकती है।

प्रोडक्शन यूनिट्स में वर्क फ्रॉम होम व्यावहारिक नहीं

मंडीदीप औद्योगिक एसोसिएशन के चेयरमैन राजीव अग्रवाल ने कहा कि कुछ विभाग जैसे अकाउंट्स, डिजाइनिंग, आईटी सपोर्ट और मार्केटिंग घर से संचालित किए जा सकते हैं। इससे कंपनियों का बिजली, ट्रांसपोर्ट और ऑफिस संचालन खर्च कम हो सकता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रोडक्शन यूनिट्स में वर्क फ्रॉम होम व्यावहारिक नहीं है।

समय पर सप्लाई पर पड़ेगा असर

उधर पीथमपुर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष गौतम कोठारी का कहना है कि यदि कर्मचारी नियमित रूप से फैक्ट्री नहीं आएंगे, तो उत्पादन और समय पर सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसका असर कंपनियों के राजस्व, निर्यात और राज्य सरकार को मिलने वाले टैक्स पर भी पड़ सकता है।



गौतम कोठारी

अनावश्यक सोना खरीदने से बचकर स्वदेशी अर्थव्यवस्था को मजबूत करें

देशवासी अनावश्यक सोना खरीदने से बचे और और स्वदेशी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहयोग करें। यह अपील स्वदेशी जागरण मंच ने मंगलवार शाम डीडी सिटी मॉल स्थित आनंद ज्वेलर्स के समक्ष "राष्ट्रहित में स्वर्ण त्याग" जन-जागरूकता अभियान चलाते हुए की। गौतलब है किप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत आह्वान के समर्थन में यह अभियान चलाया गया। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं ने नागरिकों से कहा कि भारत हर वर्ष बड़ी मात्रा में सोना विदेशों से आयात करता है। वर्ष 2025-26 में देश ने लगभग 72 अरब डॉलर (करीब 6 लाख करोड़ रुपये) का सोना आयात किया, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है, व्यापार घाटा बढ़ता है तथा रुपया की मजबूती प्रभावित होती है।



एमपी नगर में राष्ट्रहित में स्वर्ण त्याग जन-जागरूकता अभियान चलाते स्वदेशी जागरण के पदाधिकारी।

स्वदेशी एवं बचत आधारित जीवन शैली अपनाने का आवाह

कार्यकर्ताओं ने कहा कि जिस धन से उद्योग, कृषि, रोजगार और तकनीकी को मजबूती मिल सकती है, उसका बड़ा हिस्सा विदेशी सोना खरीदने में खर्च हो जाता है। अभियान के माध्यम से नागरिकों से राष्ट्रहित में स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और बचत आधारित जीवनशैली अपनाने का आवाह किया गया। कार्यक्रम में मंच के भोपाल विभाग संयोजक शोभाज सुखानी, महानगर संयोजक शंभु कुमार, प्रति महिला कार्य प्रमुख सोमा भारद्वाज, अतिथि गिगरी, अश्विनी सिन्हा, अजय सोनी, सुधीर करनकर, अनिल अहिरवार, संतोष परमार, हेर सिंह परमार, अनुपम शर्मा, सुशांत कुंजो, महेंद्र बेराड, देवेंद्र शर्मा सहित लगभग 20 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऑटो हाउस इंडेन का गैस सिलेंडर वाहन पकड़ाया, 210 सिलेंडर जब्त

दशहरा मैदान में मिला हमीदिया रोड एजेंसी का वाहन, टीम को देखकर एजेंसी के कर्मचारी भागे

हरिभूमि न्यूज़भोपाल

घरेलू गैस सिलेंडरों की किल्लत की बीच गैस एजेंसी संचालकों की मजदूरी थमने का नाम नहीं ले रही है। एजेंसी संचालक मनमोर्जी से सिलेंडरों से भरे वाहनों को मैदानों में खड़ा कर सिलेंडर डिलीवर कर रहे हैं। रविवार को भी हमीदिया रोड स्थित ऑटो हाउस इंडेन गैस एजेंसी का 210 सिलेंडरों से भरा मिनी ट्रक कस्तूर स्कूल के सामने दशहरा मंडिर में मिला। एजेंसी के कर्मचारी यहां भरे सिलेंडरों से गैस चोरी कर रहे थे, हालांकि टीम आने की भनक



सिलेंडरों की जांच करते अधिकारी।

लगने पर वह ट्रक छोड़कर भाग गए। थोड़ी देर बाद एजेंसी संचालक अनिल खट्टर मौके पर पहुंचे, जिसके बाद 25 सिलेंडरों को तोलकर गैस का वजन नापा गया।

दरअसल खाद्य विभाग को दशहरा मैदान में ऑटो हाउस के वाहन में भरे सिलेंडरों से गैस चोरी की जानकारी जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन को

मिली थी। जिसके बाद सहायक आपूर्ति अधिकारी संदीप भार्गव और एशिया इस्पेक्टर तुणाल जामोलकर मौके पर पहुंचे। टीम देखकर ट्रक पर मौजूद दो कर्मचारी ट्रक को छोड़कर भाग गए। थोड़ी देर बाद पहुंचे संचालक ने बताया कि रविवार होने की वजह से ट्रक को यहां खड़ा किया गया था। आपूर्ति नियंत्रक का कहना है कि उपभोक्ताओं से लगातार कहा जा रहा है कि वह घर पहुंच सेवा के तहत सिलेंडर लें। अगर कोई एजेंसी के गोदाम से सिलेंडर ले रहा है, तो उसे एजेंसी संचालक 34 का रिबेट देगा।

25 सिलेंडर उतारकर कराया तौल

मौके पर तौल काटा मंगवाकर मिनी ट्रक के पिछले हिस्से में रखे 25 सिलेंडरों को उतारकर तौल कराया गया, जिसमें गैस का वजन पूरा मिलने का दावा किया गया है। जबकि खुले में टुक खड़ा करने पर टीम ने सिलेंडरों से भरे वाहन को भी जब्त कर लिया है। इधर एजेंसी संचालक का कहना है कि खाद्य विभाग ने जांच कर ली है, सिलेंडरों में कोई गड़बड़ी नहीं मिली है। सिलेंडर भी जब्त नहीं किए गए हैं।

बरखेड़ा पटानी में जल संकट, विरोध प्रदर्शन

खाली मटके लेकर वार्ड कार्यालय पहुंचे रहवासी और कांग्रेस कार्यकर्ता



जल संकट को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन।

हरिभूमि न्यूज़भोपाल

शहर के बरखेड़ा पटानी स्थित वार्ड-56 में जल संकट को लेकर सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय रहवासियों ने वार्ड कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। साकेत नगर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुशील प्रजापति के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में कार्यकर्ता खाली मटके लेकर पहुंचे और निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वार्ड कार्यालय का घेराव किया।

प्रदर्शन में शामिल श्रमिक कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई है, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना

पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने वार्ड प्रभारी को खाली मटका भेंट कर ज्ञापन सौंपा और जल्द समाधान की मांग की। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद क्षेत्र में नियमित जल प्रदाय व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी है। रहवासियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में जल संकट और गहरा गया है, जिससे रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी लोगों को संघर्ष करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान वार्ड प्रभारी ने आश्वासन दिया कि आगामी 24 घंटे के भीतर क्षेत्र की जल समस्या के समाधान के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। इसके बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया।

प्रगति पेट्रोल पंप पर कम दे रहे थे पेट्रोल

जांच में पांच लीटर पर मिली 25 से 30 एमएल की कमी

हरिभूमि न्यूज़भोपाल

शहर में पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा आपूर्ति में लापरवाही बरती जा रही है, जिसकी शिकायतें नापतौल विभाग को मिल रही थी। इसके बाद टीम ने भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन द्वारा संचालित प्रगति पेट्रोल पंप पर जांच के बाद कम पेट्रोल देने के मामले में प्रकरण दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार शिकयत मिलने पर नापतौल विभाग के उप नियंत्रक नसीम खान, निरीक्षक गोविंद रायकवार और अप्रिंत जैन प्रगति पेट्रोल पंप पर पहुंचे



प्रगति पेट्रोल पर जांच करती टीम।

और जांच शुरू कर दी थी। यहां पर पांच लीटर पर 25 से 30 एमएल तक कम पेट्रोल दिया जा रहा था।

100 से ज्यादा नोडल अफसरों के साथ, 85 दारोगा, 300 से ज्यादा कर्मी सफाई में जुटे

दिल्ली से सर्वे टीम आने के पहले चाक चौबंद व्यवस्थाएं करने में जुटा निगम प्रशासन

हरिभूमि न्यूज़भोपाल

राजधानी में स्वच्छता सर्वेक्षण-2025-26 लेकर इन दिनों नगर निगम ने शहर में चाकचौबंद व्यवस्थाएं करने में जुटा है। बीते दो दिन से निगम आयुक्त विधानसभावार स्वास्थ्य अमले ने जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ले रही हैं। सोमवार को भी उन्होंने अधिकारियों और फ़ील्ड के कर्मचारियों से चर्चा की और उनकी भी समस्याएं सुनीं। शहर के 21 जोन और 85 वार्डों में सफाई अभियान में जुटे अमले की

मॉनिटरिंग निगम मुख्यालय से हो रही है। शहर के 21 जोन और 85 वार्डों में 100 से ज्यादा नोडल और सहायक नोडल अधिकारियों के साथ 21 सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, 85 दारोगा और नाइट स्वीपिंग में करीब 300 कर्मचारी सफाई व्यवस्था में जुटे हैं। इसके अलावा दीवारों, सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, स्कूल, जोन कार्यालयों में विभिन्न प्रकार की आकर्षक पेंटिंग कराई जा रही है। शहर के सार्वजनिक स्थलों पर फाउंटन सुधारे गए हैं। इनमें आकर्षक लाइटिंग करावाई गई है।

बच्चों ने दिए स्वच्छता के संदेश



वार्ड-51 में आने वाली गिनी सिटी सोसायटी के बच्चों ने कॉलोनी परिसर में बैनर-पोस्टर बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इसी तरह आशोक गार्डन स्थित समाट कॉलोनी में भी बच्चों ने शहर को देश का नंबर-1 बनाने का संकल्प लिया और स्वच्छता का संदेश दिया।

दिनभर चला दीवारों पर चिपके पोस्टर हटाने का काम

राजधानी के जिंसी चौराहे सहित अलग-अलग क्षेत्रों में निगम की टीम सोमवार को दिनभर दीवारों पर चिपके पोस्टर व अन्य सामग्री को हटाने में लगी रही। इसी तरह बिजली के पोल, रोटरों और अन्य सार्वजनिक स्थलों से भी हॉर्डिंस, बैनर, पोस्टर हटाए गए।



खबर संक्षेप

एयर इंडिया ने लांच किया ‘क्लाउड चेजर्स’
 गुरुग्राम । एयरलाइन एअर इंडिया ने एक नए व्यापक प्रोग्राम क्लाउड चेजर्स के लांच की घोषणा की है, जिसे परिवारों, खासतौर पर बच्चों के लिए यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। क्लाउड चेजर्स एअर इंडिया द्वारा बच्चों के लिए पेश किए गए प्रोडक्ट्स एवं सर्विसेज की पेपरकश है, जिसका उद्देश्य बच्चों में नई चीजें अनुभव करने की खुशी एवं उत्सुकता की भावना को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से हम अपने नन्हे यात्रियों को कल्पना की अनूठी दुनिया का अनुभव पाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

मदर्स रेंसिपी के अचार रेंज अब पैकेजिंग में मुंबई। मदर्स रेंसिपी अपने प्रसिद्ध अचार की रेंज को नया रूप देने जा रही है। लांच के बाद पहली बार इस अचार रेंज की पैकेजिंग और डिजाइन में बदलाव किया जा रहा है। मां के प्यार के स्वाद से प्रेरित यह नया लेबल डिजाइन ब्रांड की सबसे लोकप्रिय अचार श्रेणी को नया और आधुनिक रूप देगा। भावनाओं से जुड़ा यह नया डिजाइन ग्राहकों के साथ अपनापन और रिस्ते को और मजबूत करेगा। मदर्स रेंसिपी की अचार रेंज 64 से ज्यादा वैरिएंट्स में उपलब्ध है, इसलिए हर डिजाइन को अलग और खास बनाना एक बड़ी चुनौती थी।

डाबर आंवला ने अभियान के साथ मनाया मदर्स डे नई दिल्ली। डाबर आंवला हेयर ऑयल ने मदर्स डे के अवसर पर एक हृदयस्पर्शी डिजिटल अभियान के माध्यम से जहां डाबर आंवला, घर वहां मेरी मां जहां लांच किया है। इस अभियान में प्रसिद्ध गायक जोड़ी अंतरा नंदी और अंकिता नंदी शामिल हैं। यह अभियान उस शाश्वत आराम, देखभाल और भावनात्मक आधार का उत्सव मनाता है जो केवल एक मां ही प्रदान कर सकती है। डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हेड, हेयर केयर, अंकुर कुमार ने कहा कि डाबर आंवला के लिए देखभाल का मतलब हमेशा सफा पोषण से कहीं अधिक रहा है।

सीआईआई का वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन
 एजेसी ►► नई दिल्ली

सीआईआई के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य की आर्थिक दृष्टि और विकास योजनाओं को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का लक्ष्य वर्ष 2030 तक एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना और 2047 तक दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विश्व वैश्विक व्यवधानों, तकनीकी बदलावों, ऊर्जा परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखला पुनर्गठन और आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में भारत अपनी स्थिरता, लचीलेपन, महत्वाकांक्षा और क्रियान्वयन क्षमता के कारण दुनिया का प्रगतिशील देश रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में राज्यों की भूमिका सबसे अहम है और महाराष्ट्र इसमें अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री के अनुसार, महाराष्ट्र दशकों से देश का आर्थिक इंजन रहा है और अब राज्य अवसरसंचना, नवाचार, प्रतिभा, तकनीक और संस्थागत विश्वास के आधार पर वैश्विक अर्थव्यवस्था के अगले चरण के लिए खुद को तैयार कर रहा है।

विजनेस न्यूज
आरकेडीएफ विवि में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
 भोपाल । आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में 13 एवं 14 मई 2026 को ‘आत्मनिर्भर इनोवेशन - मेक इन इंडिया’ के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। यह आयोजन मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से संपन्न होगा। कार्यशाला का उद्देश्य नवाचार, स्टार्टअप, शोध एवं बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व को बढ़ावा देना है, जिससे युवा शोधकर्ता, विद्यार्थी एवं शिक्षाविद आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अपने नवाचारों को सुविधा एवं वित्तीय रूप से विकसित कर सकें। कार्यक्रम में देशभर के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ सहभागिता करेंगे। विभिन्न तकनीकी एवं अकादमिक सत्रों में पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, डिजाइन, स्टार्टअप एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पेटेंट ड्राफ्टिंग जैसे समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। कार्यशाला में प्रो. सरल्ल सिंह संधू, डॉ. प्रशांत की. बरेदार, डॉ. कुमारी लिपि, डॉ. अजय कुमार चौबे, अधिवक्ता अभय लुनिया तथा डॉ. गुरुराज डी. देवरहुबली विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपने विचार साझा करेंगे।

धारा 148-148ए के नोटिस पर तुरंत जांचें वैधता, बिना ठोस सूचना जारी नोटिस हो सकता है **थुन्यः डॉ. हर्षित भोपाल।** आयकर विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले धारा 148 एवं 148ए के नोटिसों की वैधता को सबसे पहले परखना जरूरी है। बिना विश्वसनीय सूचना या केवल अधिकारी के मत परिवर्तन के आधार पर जारी नोटिस कानून की कसौटी पर टिक नहीं सकते। यह बात युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट डॉ.

सोना केवल निवेश नहीं बल्कि परंपरा और सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा

वाणिज्य प्रतिनिधि ►► भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सोने की खरीदी को लेकर एक साल तक संयम बरतने जैसी चर्चाओं और अपील के बाद भोपाल सहित मध्यप्रदेश और देशभर के सर्राफा बाजार में हलचल तेज हो गई है। बाजार में इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। ज्वैलर्स और सर्राफा कारोबार से जुड़े संगठनों का कहना है कि यदि लंबे समय तक सोने की खरीदी में गिरावट आती है, तो इसका सीधा असर कारोबार, रोजगार और कारीगर वर्ग पर पड़ेगा। छोटे ज्वैलर्स पहले ही कमजोर मांग और बढ़ती कीमतों से दबाव में हैं।



नवनीत अग्रवाल

असर सिर्फ ज्वेलरी कारोबार में नहीं, बल्कि लाखों परिवारों व कारीगरों पर भी दिखेगा
 ज्वैलर्स आनंद सोनी का कहना है कि भारत में सोना सिर्फ निवेश नहीं, बल्कि परंपरा और सामाजिक रीति-रिवाजों का हिस्सा है, इसलिए मांग पूरी तरह खत्म होना मुश्किल है, लेकिन अल्पकालिक गिरावट से पूरे सेक्टर पर दबाव जरूर बन सकता है। आनंद सोनी ने कहा कि यदि आने वाले महीने में बिक्री नहीं बढ़ी, तो इसका असर सिर्फ ज्वेलरी कारोबार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लाखों परिवारों, कारीगरों और पूरे बाजार पर दिखाई देगा।

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक मार्टिन सेलिंगमैन के शोध में भी पाया साझा करने का विज्ञानः क्यों देने से बढ़ती है इंसान की पूर्णता : डॉ. अच्युत सामंत

हरिभूमि न्यूज ►► भुवनेश्वर

आखिर देने से अच्छा क्यों लगता है? यह एक ऐसा प्रश्न है जिसने सदियों से दार्शनिकों, संतों और वैज्ञानिकों को समान रूप से सोचने पर मजबूर किया है। पाने का सुख क्षणिक हो सकता है, लेकिन देने से जो संतोष मिलता है, वह गहरा, शांत और लंबे समय तक मन में रहने वाला अनुभव होता है। यही भावना साझा करने का विज्ञान को समझाती है। यह बात डॉ. अच्युत सामंत ने कही।

डॉ. अच्युत सामंत के अनुसार प्राचीन भारतीय ग्रंथों से लेकर आधुनिक विज्ञान तक, लगभग हर परंपरा इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि साझा करने से मनुष्य केवल दूसरों को नहीं, स्वयं को भी समृद्ध करता है। भागवत गीता इसे ‘निष्काम कर्म’ कहती है—फल की इच्छा के बिना कर्म करना। भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार मनुष्य का अधिकार केवल कर्म पर है, फल पर नहीं। इसलिए देना अपने आप में एक पूर्ण कर्म है। गौतम बुद्ध ने भी उदारता और दान को आत्मज्ञान की पहली सीढ़ी माना। उनके अनुसार, जो व्यक्ति केवल संग्रह करना जानता है, उसका मन मनीं शांत नहीं हो सकता। वहीं कुरान में ‘सदका’ को आत्मशुद्धि बताया गया है और यहूदी परंपरा में ‘त्जेदकाह’ को सामाजिक न्याय का माध्यम माना गया है।

हमारा लक्ष्य वर्ष 2030 तक एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना : मुख्यमंत्री फडणवीस



मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

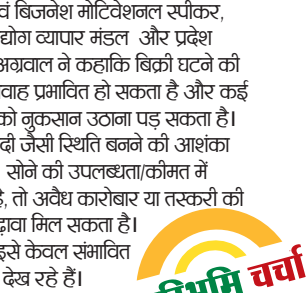
भारत के कुल इंजीनियरिंग निर्यात का पांचवां हिस्सा भी होता है राज्य से
 महाराष्ट्र वर्तमान में 660 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है, जो भारत की कुल अर्थव्यवस्था में लगभग 15 प्रतिशत योगदान देती है। देश में आने वाले कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का लगभग 40 प्रतिशत महाराष्ट्र में आता है। महाराष्ट्र को भारत की ‘डेटा सेंटर और स्टार्टअप राजधानी’ बताते हुए कहा कि मुंबई आज भी देश की वित्तीय, वाणिज्यिक और मनोरंजन राजधानी बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की अर्थव्यवस्था कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, उच्चत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, डेटा सेंटर, ग्लोबल कैंपेबिलिटी सेंटर और डीए-टेक इनोवेशन से संचालित होगी।

हर्षित काकवानि ने एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर एवं प्रोफेशनल के मध्य प्रदेश चैप्टर द्वारा आयोजित कार्यशाला में कर सलाहकारों को संबोधित करते हुए कही। डॉ. काकवानि ने कहा कि किसी भी कसदात को नोटिस मिलने पर सबसे पहले यह देखना चाहिए कि नोटिस किन आधारों और किन सूचनाओं के आधार पर जारी किया गया है। आयकर अधिकारी के लिए यह बातना अनिवार्य है कि उसे कौन-सी सूचना प्राप्त हुई, जिसके आधार पर कार्रवाई की जा रही है। यदि नोटिस बिना ठोस और विश्वसनीय सूचना के जारी किया गया है तो उसे चुनौती दी जा सकती है। कार्यशाला में उन्होंने यह भी बताया कि सूचना पत्र में जिन आक्षेपों का उल्लेख किया गया है, आदेश केवल उन्हीं आधारों पर पारित किया जा सकता है। यदि अधिकारी किसी अन्य आधार पर आदेश पारित करता है तो ऐसा आदेश शून्य माना जाएगा। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश चैप्टर के अध्यक्ष एडवोकेट राजेश दयाल, पीआरओ धीरज अग्रवाल, वरिष्ठ कर सलाहकार मुदुल आर्ष, अंकुर अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, अनिल चंदेरिया, दीपेश भंडारी, मुनेंद्र वैद्य, गोविंद वसंता सहित अनेक कर सलाहकार उपस्थित रहे।

अखिल विश्व अखंड सनातन सेवा संस्थान की नीति आयोग बैठक संपन्न
 भोपाल। अखिल विश्व अखंड सनातन सेवा संस्थान की महत्वपूर्ण नीति आयोग बैठक संपन्न हुई। बैठक में सनातन संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने युवाओं को सनातन संस्कृति से जोड़ने, समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यापक जनअभियान

साल भर सोना न खरीदने की चर्चा पर सराफा बाजार में हलचल, ज्वेलर्स चिंतित, मंदी और तस्करी की आशंका

बाजार में मंदी जैसी स्थिति बनने की आशंका जताई



हरिभूमि

बाजार विशेषज्ञ एवं बिजनेस मॉटिवेशनल स्पीकर, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल और प्रदेश महामंत्री नवनीत अग्रवाल ने कहा कि बिक्री घटने की स्थिति में नकदी प्रवाह प्रभावित हो सकता है और कई छोटे कारोबारियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। इससे बाजार में मंदी जैसी स्थिति बनने की आशंका जताई जा रही है। सोने की उपलब्धता/कीमत में असंतुलन बढ़ता है, तो अवैध कारोबार या तस्करी की गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि विशेषज्ञ इसे केवल संभावित जोखिम के रूप में देख रहे हैं।

बिमटेक ने लांच की एफडीपी सीरीज
 नोएडा। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) ने फाइनंस रिसर्च, जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और टेक्नोलॉजी आधारित मानव संसाधन प्रबंधन जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित विशेष फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम्स की सीरीज शुरू करने की घोषणा की है। ये ऑनलाइन कार्यक्रम फैकल्टी सदस्यों, शोधकर्ताओं, डॉक्टोरल स्कॉलर्स और इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप नई अकादमिक और रिसर्च स्किल्स से सशक्त बनाने के लिए तैयार किए गए हैं। सीरीज का पहला कार्यक्रम “फाइनेंस में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध पद्धतियां 1 से 3 मई 2026 तक ऑनलाइन माध्यम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को शीर्ष स्तरीय फाइनेंस जर्नल्स में प्रकाशन की बारीकियों और शोध में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जिम्मेदार एवं नैतिक उपयोग पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

एकजुटता और सामूहिक संघर्ष की जीत, मिली राहत
हाईकोर्ट से परिवहन उद्योग को बड़ी राहत
बॉर्डर चेकपोस्ट शुरू करने के आदेश पर स्टे

आईआईटी में बीएस डिग्री प्रोग्राम के बैच का प्रवेश
प्रारंभ, आवेदन 31 तक

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के बीएस डिग्री प्रोग्राम ने शैक्षणिक सत्र-2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दिया है। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई 2026 है। आईआईटी की उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अधिक से अधिक और विभिन्न पृष्ठभूमि के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए सुलभ बनाने का यह प्रोग्राम कक्षा 12 को पढ़ाई पूरी कर चुके सभी स्पर्धोन्मुखों के लिए है और इसमें आयु की कोई सीमा नहीं है। बीएस इन डेटा साइंस एंड एप्लिकेशंस, बीएस इन इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स, बीएस इन मैनेजमेंट एंड डेटा साइंस और बीएस इन प्रोनोंटिक्स एंड स्पेस टेक्नोलॉजी नाम से चार अलग-अलग प्रोग्राम उपलब्ध हैं। इस तरह की गई है कि विद्यार्थी स्वतंत्र डिग्री के रूप में या किसी नियमित कॉलेज डिग्री के साथ भी इस प्रोग्राम का लाभ उठाएं।

चलाने पर अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का संकल्प भी लिया गया। बैठक में प्रमुख रूप से स्वर्णल प्रधान (संयोजक), अविनाश भारद्वाज (कार्यवाहक अध्यक्ष), एसके शर्मा (अध्यक्ष), यज्ञेश चौधरी (महासचिव), हरिश दडवाना (अध्यक्ष, भोपाल), जितेंद्र सातनकर (संयुक्त सचिव), राजेश दशोहरे (उपाध्यक्ष), दुर्गाश घुववंशी एवं मनीष विश्वकर्मा (उपाध्यक्ष, भोपाल) सहित संस्थान के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोपाल में शुरू हुआ कैंसर हीलर सेंटर का 28वां सेंटर
 भोपाल। तेजी से बढ़ रहे कैंसर मामलों के बीच अब छोटे और बड़े शहरों में विशेषज्ञ कैंसर देखभाल की जरूरत लगातार बढ़ रही है। मध्य प्रदेश में भी कैंसर गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनता जा रहा है। आईसीएमआर-एनसीडीआईआर के मुताबिक साल 2025 में राज्य में करीब 88 हजार नए कैंसर मरीज सामने आने का अनुमान है, जिनमें 43,097 पुरुष और 45,200 महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा तंबाकू सेवन, सेकेंड हैंड स्मोक, शराब, मोटापा और खराब लाइफस्टाइल जैसी वजहें भी कैंसर के खतरे को बढ़ा रही हैं। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए और मेट्रो शहरों से बाहर कैंसर देखभाल को आसान बनाने के उद्देश्य से कैंसर हीलर सेंटर ने भोपाल में अपना नया सेंटर शुरू किया है। यह भारत में 28वां सेंटर है। इस विस्तार का उद्देश्य भोपाल, मध्यप्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को विशेषज्ञ कैंसर परामर्श, व्यक्तिगत की सुविधा उपलब्ध कराना है।कैंसर हीलर सेंटर के मेनिंगिंग डायरेक्टर डॉ. तरंग कृष्णा ने कहा कि भोपाल सेंटर की शुरुआत से मध्य भारत के मरीजों को घर के करीब बेहतर कैंसर सलाह, सही मार्गदर्शन और लगातार देखभाल मिल सकेगी।

टैक्स राहत, कारोबार समर्थन और बाजार में भरोसा बढ़ाने वाले कदम उठाने की मांग

इधर आर्थिक जानकारों का कहना है कि यदि सराफा बाजार कमजोर होता है और सोने पर टैक्स तथा आयात शुल्क ऊंचे बने रहते हैं, तो अवैध कारोबार और तस्करी की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। हालांकि विशेषज्ञ इसे फिलहाल आशंका मान रहे हैं, लेकिन उनका कहना है कि भारत में पहले भी ऊंची ड्यूटी के दौरान गोल्ड स्मगलिंग बढ़ने के मामले सामने आ चुके हैं। छोटे ज्वैलर्स का कहना है कि बड़े ब्रांड किसी तरह बाजार में टिक सकते हैं, लेकिन स्थानीय दुकानों और पारंपरिक सर्राफा कारोबार पर सबसे ज्यादा दबाव है। कई व्यापारियों ने सरकार से टैक्स राहत, कारोबार समर्थन और बाजार में भरोसा बढ़ाने वाले कदम उठाने की मांग की है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में सोना केवल निवेश नहीं, बल्कि परंपरा और सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा है, इसलिए इसकी मांग पूरी तरह खत्म होना मुश्किल है।

वर्चुअल टेस्टिंग से उत्पादन में आएगी तेजी

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तैयार होंगे ओलेक्ट्रा के इलेक्ट्रिक वाहन
 एजेसी ►► हैदराबाद
 इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने डसॉल्ट सिस्टम्स के थ्री डी

से बाजार में नए मॉडल तेजी से उतारने जा सकेगी। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के प्रबंध निदेशक महेश बाबू ने कहा कि कंपनी भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई तकनीकों में निवेश कर रही है। वहीं, डसॉल्ट सिस्टम्स इंडिया के एमडी दीपक एनजी ने कहा कि आने वाले समय में वाहन निर्देश डिजिटल दुनिया में तैयार होंगे। ओलेक्ट्रा के पास फिलहाल 3,800 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन संचालित हैं।

एकजुटता और सामूहिक संघर्ष की जीत, मिली राहत



मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में एटीएमटीसी मध्य प्रदेश के सभी एमसी मैबर्स और इंदौर के तीनों प्रमुख ट्रांसपोर्ट संगठनों ने सामूहिक रूप से प्रयास किए। इन्हीं प्रयासों के तहत हाईकोर्ट में रिज्यू पिटीशन दायर की गई, जिसके बाद अदालत ने चेकपोस्ट पुनः शुरू करने के आदेश पर रोक लगा दी। इस अभियान में एटीएमटीसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरीश सभरवाल, पूर्व अध्यक्ष बल मलकीत सिंह तथा सुरेश खोसला का विशेष सहयोग भी उल्लेखनीय रहा। संगठनों ने कहा कि यह केवल कानूनी जीत

स्थानीय संस्थाओं की सामुदायिक भागीदारी

शोधकर्ताओं और विकास कार्यों से जुड़े लोगों ने आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण पर विचार-विमर्श किया। ओआरएफ के उपाध्यक्ष डॉ. नीलांजन घोष ने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए स्थानीय जरूरतों के अनुसार काम करना जरूरी है। वहीं रिलायंस फाउंडेशन के मुख्य विकास अधिकारी सुदर्शन सुची ने कहा कि गांव तब आत्मनिर्भर बनते हैं। रिलायंस फाउंडेशन के ग्रामीण परिवर्तन कार्यक्रम प्रमुख अभिनव सेन ने कहा कि आंकड़ों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और लोगों की भागीदारी के जरिए ग्राम पंचायतों को और मजबूत बनाया जा सकता है। रिलायंस फाउंडेशन ने बताया कि वह शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और खेल जैसे क्षेत्रों में काम कर रहा है तथा अब तक देशभर में 9.7 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच बना चुका है।

चिंतन

विदेशी मुद्रा पर दबाव कम करने के प्रयास

उपभोग और आर्थिक जिम्मेदारी के बीच राष्ट्रहित में संतुलन बनाया जाना बेहद जरूरी है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अनिश्चितताओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अपील को केवल राजनीतिक बयान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। पेट्रोल-डीजल की खपत घटाने, अनावश्यक सोना खरीदने से बचने, वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देने, विदेशी यात्राओं में कटौती और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग पर जोर देना दरअसल, एक व्यापक आर्थिक रणनीति का हिस्सा प्रतीत होता है। इसका मूल उद्देश्य विदेशी मुद्रा भंडार पर संभावित दबाव को कम करना और देश को वैश्विक आर्थिक झटकों के लिए तैयार करना है। यह सच है कि वर्तमान में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से अधिक है और स्थिति किसी लकाल संकट जैसी नहीं है, लेकिन आर्थिक प्रवृद्धि केवल वर्तमान हालातों को देखकर नहीं किया जाता, बल्कि संभावित प्रोब्लमों को पहले से पहचानकर तैयारी करना ही दूरदृष्टि कहलाता है। मध्य पूर्व में जारी तनाव और हार्मुज जलडमरूमध्य पर भंडारते खतरे दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर सकते हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। ऐसे में तेल कीमतों में वृद्धि का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और व्यापार घाटे पर पड़ना तय है। प्रधानमंत्री की अपील का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें जनता की भागीदारी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़ा गया है। यदि नागरिक सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, कार पूलिंग अपनाएं और अनावश्यक ईंधन खर्च कम करें तो इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। इसी प्रकार, इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर ऊर्जा आधारित उपकरणों को बढ़ावा देना भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में सकारात्मक कदम हो सकता है। सोने की खरीद को लेकर की गई अपील भी आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारत अपनी लगभग पूरी सोने की जरूरत आयात के माध्यम से पूरी करता है। यही कारण है कि जब सोने का आयात बढ़ता है तो डॉलर की मांग भी बढ़ती है और व्यापार संतुलन प्रभावित होता है। जीटीआरआई द्वारा इस अपील का समर्थन यह दर्शाता है कि यह केवल भावनात्मक राष्ट्रवाद नहीं, बल्कि आर्थिक यथार्थ से जुड़ा विषय है। यदि एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोना खरीदने से परहेज किया जाए तो इससे विदेशी मुद्रा पर पड़ने वाला दबाव काफी हद तक कम हो सकता है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि केवल जनता से संयम की अपेक्षा करना पर्याप्त नहीं होगा। सरकार को भी वैकल्पिक निवेश साधनों को मजबूत और आकर्षक बनाना होगा, ताकि लोग सोने के बजाय वित्तीय निवेश की ओर बढ़ें। साथ ही, आयात आधारित उपभोग कम करने के लिए घरेलू उद्योगों को अधिक प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाना भी जरूरी है। विपक्ष द्वारा इस अपील को सरकार की विफलता बताना राजनीतिक दृष्टि से स्वाभाविक हो सकता है, लेकिन राष्ट्रीय चुनौतियों को केवल राजनीतिक चश्मे से देखना अजीब और नतीजाहीन होगा। ईतिहास गवाह है कि संकट के समय सामूहिक अनुशासन और मितव्ययिता ने भारत को मजबूत बनाया है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का 'सप्ताह में एक दिन उपवास' का आह्वान हो या कोरोना काल में जनता की भागीदारी देश ने हर चुनौती में एकजुटता दिखाई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक जिम्मेदारी को केवल सरकार की नहीं, बल्कि नागरिक कर्तव्य के रूप में भी देखा जाए।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस

श्वेता गोयल



मानवता की निःस्वार्थ धड़कन और स्वास्थ्य का भविष्य हैं नर्स

जब भी मानवता की सेवा का उल्लेख होता है तो श्वेत परिधान में लिपटी एक ऐसी छवि मानस पटल पर उभरती है, जिसमें करुणा, धैर्य और समर्पण का अटूटा संगम होता है। यह छवि है 'नर्स' की। समाज के स्वास्थ्य ढांचे में नर्स यह रीढ़ हैं, जिनके बिना चिकित्सा विज्ञान की गगनचुंबी इमारतें ढह सकती हैं। प्रतिवर्ष 12 मई को पूरी दुनिया अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाकर धरती के इन 'फरिशते' के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करती है। यह दिन आधुनिक नर्सिंग की जननी 'लेडी विव् द लैंप' फ्लोरेंस नाइटिंगेल की स्मृति को समर्पित है, जिन्होंने क्रीमिया युद्ध के दौरान घायल सैनिकों की सेवा कर नर्सिंग को एक गरिमायुष पेशे के रूप में स्थापित किया। वर्ष 2026 में इस दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सज (आईएनएन) ने इस वर्ष के लिए 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' जैसा अत्यंत सार्थक विषय चुना है। यह वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों को बचाने और उन्हें संवारने का एक रोडमैप है। नर्सिंग का पेशा केवल दवाइयों देने या घावों पर पट्टी बांधने तक सीमित नहीं है। चिकित्सा जगत में डॉक्टर को यदि मसितक माना जाए तो नर्स निश्चित रूप से उस तंत्र की धड़कन हैं। अस्पताल के बंद कमरों में जब एक मरीज अपनी बीमारी से जूझ रहा होता है और उसके परिजान भी साथ नहीं होते, तब एक नर्स ही उसकी मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक बनती है। वे मरीजों के स्वास्थ्य संकेतकों की चौबीसों घंटे निगरानी करती हैं, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि वे मरीज के टूटते हौसले को अपनी मुस्कान और सांत्वना से जीवित रखती हैं। यही कारण है कि नर्सिंग को विश्वभर में सबसे भरोसेमंद और पवित्र पेशों में शुमार किया जाता है। एक सशक्त नर्स न केवल रोगी की शारीरिक व्याधि को दूर करने में सहायक होती है, बल्कि अपने नैदानिक कौशल और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता से मृत्यु के द्वार पर खड़े व्यक्ति को जीवनदान भी देती है। भारत के संदर्भ में देखें तो नर्सों के योगदान को पहचान देने के लिए सरकार ने 1973 में 'राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की थी। प्रतिवर्ष 12 मई को देश के महामहिम राष्ट्रपति उन नर्सों को सम्मानित करते हैं, जिन्होंने अपनी ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा से समाज में एक मिसाल कायम की है। अब तक सैकड़ों नर्सिंग कर्मियों को यह सम्मान मिल चुका है, जो इस पेशे की महता को दर्शाता है। हालांकि, पुरस्कारों और सम्मानों से परे नर्सों की वास्तविक स्थिति पर विमर्श करना भी आवश्यक है। आज भी दुनिया के कई हिस्सों में प्रशिक्षित नर्सों की भारी कमी है। विश्व बैंक और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें अक्सर इस ओर इशारा करती हैं कि विकासशील देशों से नर्सों का पलायन विकसित देशों की ओर हो रहा है। इसके पीछे बेहतर वेतन, बेहतर जीवन स्तर और कार्य की अधिक अनुकूल परिस्थितियां मुख्य कारण हैं। यह पलायन विकासशील देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि नर्सों की कमी का सीधा प्रभाव शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर पर पड़ता है। किसी भी राष्ट्र की स्वास्थ्य व्यवस्था का पैमाना यह नहीं है कि वहां कितने आधुनिक अस्पताल हैं, बल्कि यह है कि वहां प्रति व्यक्ति कितनी प्रशिक्षित नर्स उपलब्ध हैं। वर्तमान में भारत में लगभग 1100 को आबादी पर एक नर्स है, जो आदर्श मानकों से काफी पीछे है। नर्सों के सामने आने वाली चुनौतियों में सबसे प्रमुख कार्यस्थल पर अत्यधिक दबाव और उचित सुविधाओं का अभाव है। विशेष रूप से निजी क्षेत्रों और छोटे शहरों में नर्सों को लंबे समय तक काम करना पड़ता है और इसके बदले उन्हें वह सम्मान या वेतन नहीं मिल पाता, जिसकी वे हकदार हैं। इस वर्ष की थीम 'सशक्त नर्स' हमें अहसास कराती है कि हमें नर्सों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। एक थकी हुई और उपेक्षित नर्स कभी भी अपनी पूरी क्षमता से सेवा नहीं दे सकती। इसलिए, उन्हें नेतृत्व के पदों पर बिठाना और उनके लिए शोध एवं प्रशासनिक कार्यों के द्वार खोलना समय की मांग है। नर्सों का कार्य केवल बिस्तर के पास खड़े रहना नहीं है बल्कि वे स्वास्थ्य शिक्षा, सामुदायिक स्वास्थ्य और नीति निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वर्ष 1953 में जब डोरोथी सुथरलैंड ने पहली बार इस दिवस का प्रस्ताव रखा था, तब उद्देश्य केवल एक पेशे का जश्न मनाना नहीं था बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाना था। आज 2026 में जब हम इस दिवस को मना रहे हैं तो हमें यह समझना होगा कि नर्स ही हमारे भविष्य की स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी हैं। सशक्त नर्स ही एक सशक्त और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करेगी।

(लेखिका शिवाबिंदू है, ये उनके अपने विचार हैं।)



अभिजात्य भारद्वाज

पीएम की ताजी अपील

पीएम मोदी की ताजा सलाह दरअसल, फिलहाल भारत का पैसा भारत में रखने के प्रयास व खर्च के आनुपातिक सिद्धांत को अनुशासित करने से ही प्रेरित है। इसकी रोशनी में सरकारों के सोशल वेलफेयर को भी नए सिरे से बुना जा सकता है। कैश स्कीम को काम के बदले पैसे में बदला जा सकता है ताकि देश के विनिर्माण और उत्पादन क्षेत्र में एक नई इबारत लिखी जा सके। इस सलाह के आधार पर सरकारी फिजूलखर्ची, कारों के लंबे काफिले व राजनीतिक रैलियों को लेकर भी मंथन किया जा सकता है। पीएम की इस नसीहत में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का मंत्र भी है, जिसे केंद्र व राज्य सरकारें अपना भी रही हैं। इसके सार्थक नतीजे भी आ रहे हैं।

चरित्र गठन की व्यायामशाला है संसार

संसार न तो अच्छा है, ना बुरा। प्रत्येक मनुष्य अपने लिए अपना-अपना संसार बना लेता है। हमारी मानसिक अवस्था के अनुसार ही हमें यह संसार भला या बुरा प्रतीत होता है। अग्नि स्वयं में अच्छी है न बुरी। तम यह हमें गर्म रखती है, तो हम कहते हैं यह कितनी अच्छी है, जब हमारी अंगुली जल जाती है, तो हम इसे दोष देते हैं। यही हाल संसार का है। संसार स्वयं पूर्ण है। पूर्ण का अर्थ यह है कि इसमें अपने सभी प्रयोजन पूर्ण करने की क्षमता है। हमें जान लेना चाहिए कि हमारे बिना भी यह संसार बड़े मजे से चलता जाएगा। हमें उसकी सहायता करने के लिए माथापच्ची करने की आवश्यकता नहीं। परंतु फिर भी हमें सदैव परोपकार करते ही रहना चाहिए। यदि हम सदैव यह ध्यान रखें कि दूसरों की सहायता करना एक सौभाग्य है, तो परोपकार करने की इच्छा एक सर्वोत्तम प्रेरणा शक्ति है। एक दाता के ऊंचे आसन पर खड़े होकर अपने हाथ में दो पैसे लेकर यह मत कहो, 'ऐ भिखारी, ले, मैं तुझे यह देता हूं।' तुम स्वयं इस बात के लिए कृतज्ञ होओ कि इस संसार में तुम्हें अपनी दयालुता का प्रयोग करने और इस प्रकार पूर्ण होने का अवसर प्राप्त हुआ। धन्य पाने वाला नहीं, देने वाला होता है। भलाई के सभी कार्य हमें शुद्ध और पूर्ण बनाने में सहायता करते हैं। यह संसार न तो तुम्हारी सहायता का भूखा है और ना मेरी। परंतु फिर भी हमें निरंतर कार्य करते रहना चाहिए, परोपकार करते रहना चाहिए। क्योंकि इससे हमारा भी भला है। यही एक साधन है, जिससे हम पूर्ण बन सकते हैं।



करंट अफेयर

गणित में भारत के योगदान वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन

विदेश मंत्री एस जयशंकर आज संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे, जिसमें सहस्राब्दियों के दौरान गणित के क्षेत्र में भारत के ऐतिहासिक और समृद्ध योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। इस प्रदर्शनी का शीर्षक है 'फ्रॉम शून्य टू अनंत (ज़ीरो टू इन्फिनिटी)'- भारतीय सभ्यता का गणित में योगदान' जिसमें 2,000 से अधिक वर्षों में गणित के क्षेत्र में भारत के व्यापक योगदान और विचार, अनुप्रयोग तथा विकास की विरासत को उजागर किया जाएगा। जयशंकर दो से 10 मई तक जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो की आधिकारिक यात्रा पर थे। वह सोमवार को न्यूयॉर्क जाएंगे और इस संक्षिप्त यात्रा के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। सूत्रों ने बताया कि यह प्रदर्शनी संयुक्त राष्ट्र के जूनदूतों, राजनयिकों, आगंतुकों और अन्य अधिकारियों को भारत की गणितीय विरासत और योगदान को मानवता की साझा धरोहर के रूप में देखने का अवसर प्रदान करेगी। यह विशेष प्रदर्शनी आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त और भास्कर जैसे महान भारतीय विद्वानों से लेकर केरल के खगोलशास्त्र और गणित विद्यालय तक की गौरवशाली परंपरा को सम्मानित करेगी।

अब फिर ‘आदते’ बदलने का वक्त

भारत इस समय एक ऐसे आर्थिक मोड़ पर खड़ा है, जहां भीतर ही भीतर कई तरह के दबाव घुमड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताजा सलाह-विदेशी यात्राएं टालिए, सोने की खरीद कुछ समय के लिए कम कीजिए और जहां तक संभव हो वर्क फ्रॉम होम अपनाइए-सामान्य नहीं हैं। इसके पीछे अर्थव्यवस्था का गहरा गणित छिपा हुआ है। इन तीनों बातों को ध्यान से देखें, तो एक समान धागा दिखाई देता है-डॉलर। विदेशी यात्रा में डॉलर खर्च होता है, सोना आयात करने में डॉलर खर्च होता है और अधिक तेल (ईंधन व खाद्य तेल) खपत का अर्थ है अधिक तेल आयात, यानी फिर डॉलर का खर्च। तो, क्या सरकार वास्तव में भारत से बाहर जा रहे डॉलर के प्रवाह को धीमा करना चाहती है? यहीं से कहानी भारत से निकलकर दुनिया की सबसे संवेदनशील समुद्री पट्टी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज तक पहुंचती है। आज इस क्षेत्र में तनाव केवल युद्ध की खबर नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन पर असर डालने वाला संकट बन चुका है। लगभग 1,550 जहाज इस क्षेत्र में प्रभावित हुए हैं और करीब 22,500 नाविक फंसे हुए हैं। कुछ दिनों में जहाजों की आवाजाही सामान्य स्तर के केवल 5 फीसदी तक सिमट गई। अब प्रश्न यह है कि यदि दुनिया के तेल का रास्ता धीमा पड़ जाए, तो क्या केवल पेट्रोल महंगा होगा? या पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था हिलने लगेगी?

यही वह बिंदु है जहां भारत की चिंता शुरू होती है। भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 फीसदी आयात करता है। अर्थात, हमारे घरों की रसोई से लेकर ट्रक, ट्रेन, विमान, उद्योग और खेती तक सब कुछ उस तेल पर निर्भर है जो समुद्र के रास्ते बाहर से आता है। अब यदि तेल महंगा होता है या उसकी सप्लाई बाधित होती है, तो भारत को अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। और जब डॉलर अधिक खर्च होते हैं, तो देश की विदेशी मुद्रा भंडार यानी फरिफर्स रिजर्व पर दबाव बढ़ता है। यहीं पर भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका सामने आती है। कुछ ही सप्ताह पहले भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 728.5 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। लेकिन कुछ ही समय में यह घटकर लगभग 690.7 बिलियन डॉलर रह गया। यानी लगभग 38 बिलियन डॉलर कम हो गए। इसका अर्थ है कि आरबीआई लगातार डॉलर बेचकर रुपये को संभालने की कोशिश कर रहा है। क्योंकि यदि आरबीआई हस्तक्षेप न करे, तो रुपया और तेजी से गिर सकता है। अब यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है-रुपया गिरने से आम आदमी पर क्या असर पड़ेगा? जब रुपया कमजोर होता है, तब आयात महंगे हो

जाते हैं। तेल महंगा होता है, परिवहन महंगा होता है, और फिर धीरे-धीरे सब्जी, दूध, दाल, दवाई, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स-हर चीज की कीमत बढ़ने लगती है। यानी विदेशी मुद्रा का संकट अंततः घर की रसोई तक पहुंच जाता है। लेकिन, कहानी यहीं खत्म नहीं होती। तेल की बढ़ती कीमतों का सबसे बड़ा दबाव इस समय भारत की तेल कंपनियों आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल पर पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ चुकी हैं, लेकिन घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लंबे समय से पूरी तरह नहीं बढ़ाया गया। परिणाम यह हुआ कि कंपनियों को प्रति



लीटर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। कुछ अनुमान बताते हैं कि पेट्रोल पर लगभग 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 30 से 35 रुपए प्रति लीटर तक का दबाव बन रहा है। अब सरकार के सामने विकल्प क्या हैं? पहला-टैक्स कम कर दे। लेकिन, इससे सरकारी आय घटेगी। दूसरा- कंपनियों को सब्सिडी दे। लेकिन, इससे सरकारी खर्च और फिस्कल डेफिसिट बढ़ेगा। तीसरा-पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा दे। लेकिन, इससे महंगाई और जनता की नाराजगी दोनों बढ़ेंगी। तो, फिर सरकार क्या करे? शायद यही कारण है कि सीधे कीमतें बढ़ाने के बजाए लोगों के व्यवहार को बदलने की कोशिश हो रही है। यानी कम यात्रा करें, कम ईंधन खर्च करें, कम आयातित सोना खरीदें और डॉलर की बचत करें। इसी बीच एक और संकेत आया है। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 14 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इसका क्या अर्थ है? इसका अर्थ यह नहीं कि भारत कमजोर देश बन गया है। बल्कि इसका अर्थ यह है कि वैश्विक निवेशक इस समय सुरक्षित जगहों पर पैसा रखना चाहते हैं। जब विदेशी निवेश कम होता है, तब भारत में डॉलर का प्रवाह भी कम होता है। यानी एक

मन की शांति कैसे प्राप्त करें?

सेठ अमीरचंद को हर पल कोई न कोई चिंता परेशान किये रहती थी। एक दिन वह कहीं जा रहा था तो रास्ते में उसकी नजर एक आश्रम पर पड़ी। वहां उसे किसी साधु के प्रवचनों की आवाज सुनाई दी। उस आवाज से प्रभावित होकर अमीरचंद आश्रम के अन्दर गया और बैठ गया। प्रवचन समाप्त होने पर सभी व्यक्ति अपने अपने घर को चले गये। लेकिन वह वहीं बैठा रहा। उसे देखकर संत बोले- कहो, तुम्हारे मन में क्या जिज्ञासा है, जो तुम्हें परेशान कर रही है। इस पर अमीरचंद बोला- बाबा, मेरे जीवन में शांति नहीं है। यह सुनकर संत बोले- धबराओ नहीं तुम्हारे मन की सारी अशांति अभी दूर हो जाएगी। संत की बात सुनकर ज्यों ही अमीरचंद ध्यान की मुद्रा में बैठा त्यों ही उसके मन में इधर-उधर की बातें घूमने लगीं और उसका ध्यान उचट गया। सेठ बोला- चलो, जरा आश्रम का एक चक्कर लगाते हैं। इसके बाद वे आश्रम में घूमने लगे। अमीर चंद ने एक सुंदर वृक्ष देखा तथा उसे हाथ से छुआ। हाथ लगाते ही उसके हाथ में एक कांटा चुभ गया और संत। बुरी तरह चिल्लाने लगे। उसे देखकर संत वापस अपनी कुटिया में आए। कटे हुए हिस्से पर लेप लगाया। कुछ देर बाद वह सेठ से बोले- तुम्हारे हाथ में जरा-सा कांटा चुभा तो तुम बेहाल हो गए। सोचो कि जब तम्हारे अन्दर ईर्ष्या, क्रोध व लोभ जैसे बड़े-बड़े कांटे छिपे हैं, तो तुम्हारा मन भला शांत कैसे हो सकता है ? संत की बात से सेठ अमीरचंद को अपनी गलती का अहसास हो गया। वह संतुष्ट होकर वहां से चला गया।



सेठ अमीरचंद को हर पल कोई न कोई चिंता परेशान किये रहती थी। एक दिन वह कहीं जा रहा था तो रास्ते में उसकी नजर एक आश्रम पर पड़ी। वहां उसे किसी साधु के प्रवचनों की आवाज सुनाई दी। उस आवाज से प्रभावित होकर अमीरचंद आश्रम के अन्दर गया और बैठ गया। प्रवचन समाप्त होने पर सभी व्यक्ति अपने अपने घर को चले गये। लेकिन वह वहीं बैठा रहा। उसे देखकर संत बोले- कहो, तुम्हारे मन में क्या जिज्ञासा है, जो तुम्हें परेशान कर रही है। इस पर अमीरचंद बोला- बाबा, मेरे जीवन में शांति नहीं है। यह सुनकर संत बोले- धबराओ नहीं तुम्हारे मन की सारी अशांति अभी दूर हो जाएगी। संत की बात सुनकर ज्यों ही अमीरचंद ध्यान की मुद्रा में बैठा त्यों ही उसके मन में इधर-उधर की बातें घूमने लगीं और उसका ध्यान उचट गया। सेठ बोला- चलो, जरा आश्रम का एक चक्कर लगाते हैं। इसके बाद वे आश्रम में घूमने लगे। अमीर चंद ने एक सुंदर वृक्ष देखा तथा उसे हाथ से छुआ। हाथ लगाते ही उसके हाथ में एक कांटा चुभ गया और संत। बुरी तरह चिल्लाने लगे। उसे देखकर संत वापस अपनी कुटिया में आए। कटे हुए हिस्से पर लेप लगाया। कुछ देर बाद वह सेठ से बोले- तुम्हारे हाथ में जरा-सा कांटा चुभा तो तुम बेहाल हो गए। सोचो कि जब तम्हारे अन्दर ईर्ष्या, क्रोध व लोभ जैसे बड़े-बड़े कांटे छिपे हैं, तो तुम्हारा मन भला शांत कैसे हो सकता है ? संत की बात से सेठ अमीरचंद को अपनी गलती का अहसास हो गया। वह संतुष्ट होकर वहां से चला गया।

से कोविड 19 का प्रसार इसका सबसे चर्चित उदाहरण माना जाता है। 1 वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान 'डायमंड प्रिसेस' जहाज पर 619 यात्री और चालक दल के सदस्य संक्रमित पाए गए थे। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि जहाज की परिस्थितियों ने कोरोना वायरस के प्रसार को तेज किया। हालांकि पृथक्वास और अलगाव जैसे कदमों से संक्रमण को कुछ हद तक नियंत्रित किया गया, लेकिन अध्ययन में यह भी कहा गया कि यदि शुरूआती प्रतिक्रिया और तेज होती तो मामलों की संख्या और कम हो सकती थी।

तरफ तेल के लिए डॉलर चाहिए और दूसरी तरफ निवेश से डॉलर कम आ रहे हैं। अब यदि इन सभी घटनाओं को एक साथ जोड़ें तो एक बड़ा चित्र सामने आता है। यह केवल आर्थिक संकट नहीं, बल्कि भारत की इंपोर्ट डिपेंडेंसी का आइना है। वर्षों से भारत विकास कर रहा है, लेकिन उसके साथ-साथ उसकी बाहरी निर्भरता कम नहीं हो रही। ऊर्जा बाहर से, सोना बाहर से, इलेक्ट्रॉनिक्स बाहर से, और कई बार निवेश भी बाहर से। प्रश्न यह है कि यदि दुनिया लंबे समय तक अस्थिर रही, तो क्या केवल विकास दर भारत को सुस्थित रख पाएगी? शायद यही कारण है कि अब स्वदेशी, आत्मनिर्भरता, नवकरगीर्य ऊर्जा, स्थानीय और आयात प्रतिस्थापन (एक ऐसी आर्थिक रणनीति, जिसमें विदेशी वस्तुओं के आयात को कम करके उन्हें घरेलू स्तर पर निर्मित (स्वदेशी) वस्तुओं से बदला जाता है) जैसे शब्द केवल राजनीतिक नारे नहीं रह गए हैं। वे अब आर्थिक आवश्यकता बनते जा रहे हैं।

आज भारत के सामने चुनौती केवल ग्रोथ बनाए रखने की नहीं है, बल्कि ऐसी ग्रोथ बनाने की है जो बाहरी झटकों से टूटे नहीं। क्या भारत आने वाले वर्षों में अपनी तेल निर्भरता कम कर पाएगा? क्या भारतीय परिवार सोने की जगह प्रोडक्टिव फाइनेंशियल असेट्स में निवेश बढ़ाएंगे। इसका मतलब ऐसी वित्तीय संपत्तियों से है, जो समय के साथ आय उत्पन्न करती हैं या उनके मूल्य में वृद्धि होती है, जिससे आपका धन बढ़ता है। भारत को अपने मैनुफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट को इतना मजबूत बनाना होगा कि डॉलर कमाने की क्षमता आयात के दबाव से अधिक हो जाए?

क्योंकि, अंततः अर्थव्यवस्था केवल शेयर बाजार के उत्साह से नहीं चलती। वह चलती है भरोसे से, ऊर्जा से, विदेशी मुद्रा से और उन अदृश्य आर्थिक संतुलनों से जिन्हें आम लोग रोज महसूस नहीं करते। लेकिन, जब हमारे प्रभ्रानमंत्री नागरिकों से विदेशी यात्राएं टालने, सोना कम खरीदने और ईंधन बचाने की अपील कर रहे हैं तो समझ लेना चाहिए कि हम एक बड़ी जिम्मेदारी निभाने वाले वक्त से गुजर रहे हैं। कोविड काल में हमने इससे बड़ी जिम्मेदारी निभाई है। तब हमसन चुनौतियों में आदतें बदली थीं। अब फिर हम सबको अपनी आदतें बदलनी हैं। प्रधानमंत्री ये नसीहत देकर सिर्फ नागरिक बोध ही नहीं जगा रहे हैं बल्कि वे राज्य सरकारों और राजनेताओं से भी अपेक्षा कर रहे हैं कि वे भी आत्मन चुनौतियों के लिए अपने को तैयार करें ताकि 'बरताव' में बदलने का उदाहरण सिर्फ नागरिक तक ही सीमित न रह जाए।

(सुब लेखक अंतरराष्ट्रीय व आर्थिक मामलों के अध्येता हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

✕

ट्रेंड्स

👍👎

सनातन संस्कृति का दिव्य प्रतीक

प्रगास पाटन के तट पर सोमनाथ मंदिर श्रद्धा, भक्ति और भारत की सनातन संस्कृति का दिव्य प्रतीक बनकर आज भी अडिग खड़ा है। इस पावन मंदिर ने बर्बर आक्रमणों, विदेशी हत्यों और सटियों के चुनौतीपूर्ण कालखंड को पार करते हुए अपनी अमर वेतना को अक्षुण्ण रखा है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आत्मनिर्भर बनाने का रोडमैप

पेट्रोल-डीजल के उपयोग में संयम, वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा और केमिकल फर्टिलाइजर को छोड़ नेचुरल फर्टिलिज को अपनाने का प्रधानमंत्री आह्वान भारत को आत्मनिर्भर और ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्र बनाने का रास्ट रोडमैप है।

-अमित शाह, गृहमंत्री

युवाओं का भविष्य छीन रहे

एक बार फिर से नीट-यूजी परीक्षा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी को लेकर खबरें छप रही हैं। माजरा राज में कई साल से परीक्षाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार देश के युवाओं से उनका भविष्य छीन रहा है। इस बार भी तकरीबन 23 लाख छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। -**पियरका गांधी**, कांग्रेस सांसद

में हार नहीं मानूंगी

डब्ल्यूएफआई में सता में बैठे लोग चाहते हैं कि मैं इस खेल को छोड़ दू, लेकिन मैं हार स्वीकार नहीं करूंगी। उन्हें अपने मसूबों में कमगार्या नहीं होने दूंगी। आपा मुझे टुकड़े-टुकड़े नैग कह रहे हैं। क्या आपने अपनी भाषा देखी है? क्या आपको लगता है कि मैं वहां सुक्षित हूँ? -**विनोद फोगाट**, फलवाहन

अपने विचार हरिभूमि कार्यालय

पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वाई नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, मोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com
पर भेज सकते हैं।



पत्नी-बच्चों को लेकर मौल गए थे मीडियाकर्मी, लौटे तो सेंटर लॉक टूटा मिला, बिखरा था सामान

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल
 अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित राजौरा फार्म हाउस खजूरी कला में रविवार रात मीडियाकर्मी के सूने मकान पर धावा बोलकर अज्ञात चोर सोने-चांदी के जेवरात व दो लाख रुपए नगदी समेत करीब 17 लाख रुपए के माल पर हाथ साफ कर गए। मीडियाकर्मी पत्नी और बच्चों के साथ शांतिंग करने एम्पी नगर स्थित मौल गए थे। लौटने पर मेनगेट का सेंटर लॉक टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि चोर अलग-अलग कमरों में रखी अलमारियों के लॉकर तोड़कर नगदी और जेवरात चुराकर ले गए हैं। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

 पुलिस के अनुसार राजौरा फार्म हाउस खजूरी कला अवधपुरी निवासी नरेन्द्र सिंह (45)



त्रिलोचन सिंह बिट्टू का किया सम्मान
 औबेदुल्लागंज। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व नपा अध्यक्ष पति त्रिलोचन सिंह बिट्टू का सेवा सदन बैरागढ़ नेशनलय हॉस्पिटल के प्रबंधकों ने सम्मान किया। बिट्टू दीन दुखी लोगों की सेवा करते रहते हैं।

मोबाइल हैंग होते ही खाते से निकले 1 लाख 72 हजार भोपाल। कोलार के सुमित्रा परिसर में रहने वाले सरकारी बाबू को साइबर जालसाज ने एक लाख 72 हजार रुपए का चूना लगा दिया। एक दिन पहले फरियादी का मोबाइल हैंग हो गया था। अगले दिन बैलेंस चेक करने पर तीन अलग-अलग बैंक खातों से एक लाख 72 हजार रुपए निकाले जाने की जानकारी मिली। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सुमित्रा परिसर कोलार निवासी राजकुमार नामदेव (48) शासकीय विभाग में बाबू हैं।

हर्षोल्लास से मनाया मालवीय का जन्मदिन



औबेदुल्लागंज। कल्चरी कलार समाज के अध्यक्ष और व्यापार महासंघ के सचिव श्याम मालवीय का जन्मदिन बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर समाज और व्यापार जगत से जुड़ी कई हस्तियों ने शिरकत की और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी। जन्मदिन के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से नवल मालवीय, पवन राय, प्रमोद मालवीय, संजय यादव, सरपंच शंकर चौहान, नीरज चावला और विक्रम धाड़ी आदि उपस्थित रहे। सभी ने मालवीय के दीर्घायु की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी।

स्व. रमेश शर्मा की पुण्य तिथि पर दी पुष्पांजलि



औबेदुल्लागंज। पूर्व विधायक व भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे स्व. रमेश शर्मा 'गुट्टू भैया' की तीसरी पुण्यतिथि पर सोमवार को उनके निवास पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी ने पुष्पांजलि अर्पित की। 'गुट्टू भैया' भोपाल के मिलनसार, व्यवहारिक व अविस्मरणीय नेता रहे हैं।

शुभक			
कल्याण:	2738		
दिन:	588	14	770
रात:	577	96	259
तिार:			
दिन:	358	67	250
रात:	178	65	140

तीन घंटे के भीतर मीडियाकर्मी के घर से 17 लाख की चोरी, पुलिस जांच में जुटी



मीडियाकर्मी हैं। रविवार 10 मई की रात करीब 8 बजे वह पत्नी और बच्चों के साथ घर के मेनगेट पर सेंटर लॉक लगाकर एम्पी नगर मौल गए थे। रात करीब साढ़े 11 बजे परिवार घर लौटा। इस दौरान पता चला कि घर का सेंटर लॉक टूटा है। बगल का गेट भी खुला हुआ था। अंदर जाकर देखा तो अलग-अलग कमरों में सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों के लॉकर भी टूटे मिले। अलमारी

का सामान चेक करने पर उसमें रखे इस्तेमाली सोने का हार, एक सोने का मंगलसूत्र, एक जोड़ी सोने के झुमके, कान की सोने की एक छोटी तथा चार बड़ी बाली, एक नग सोने की अंगूठी लेडीज, एक सोने का मांग टीका, एक नग सोने की जेंट्स अंगूठी, एक नग सोने की कैडबरी पुरानी 300 ग्राम, करीब 12 ग्राम सोना गला हुआ और दो लाख रुपए नगद नहीं मिले। सोने के आभूषणों की कीमत 15 लाख रुपए बताई गई है। फरियादी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि कोई अज्ञात चोर घर के गेट का सेंटर लॉक तोड़कर रात 8 बजे से रात साढ़े 11 बजे के बीच महज साढ़े तीन घंटे के अंतराल में उनके घर में घुसकर चोरी कर ले गया। पुलिस ने एफएसएल पार्टी से घटनास्थल का मौका-मुआयना करने के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया।

सीसीटीवी कैमरे में तीन चार संदिग्ध आए नजर

थाना प्रभारी सुरेश मीना का कहना है कि नरेंद्र सिंह के मकान में काम चल रहा है। इसलिए उनके घर में लगा कैमरा फिलहाल चालू हालत में नहीं है। आसपास लगे कैमरे चेक करने पर तीन-चार लोग रात के अंधेरे में उनके घर के बाहर से गुजरते नजर आ रहे हैं। हालांकि कोई भी बदमाश घर के अंदर जाता नजर नहीं आ रहा है। फुटेज धुंधले हैं।

शाहजहांनाबाद संभाग के सहायक पुलिस आयुक्त की टीम ने की कार्रवाई

किराए का मकान खाली करने के लिए समय देने के बदले रिश्तत ले रहा आरक्षक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

किराए का मकान खाली कराने के नाम पर रिश्तत मांगने वाले आरक्षक को पुलिस ने रो हाथ गिरफ्तार किया है। उक्त कार्रवाई शाहजहांनाबाद संभाग के सहायक पुलिस आयुक्त कार्यालय की टीम ने की। रिश्तत लेने वाला कोहैफिजा एफआरवी का आरक्षक यशराज तोमर और चालक सुनील मालवीय शामिल हैं। रिश्तत लेने के मामले में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और बीएसएस की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

 सहायक पुलिस आयुक्त शाहजहांनाबाद अनिल वाजपेयी ने बताया कि 10 मई को अशोका पैसेल कोहैफिजा निवासी 31 साल के प्रतीक नारायण साहू पिता शेषनारायण साहू कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में उसने बताया कि वह किराए के मकान में रहता है और उसकी मकान मालिक आरती कपूर है। दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच मकान मालिक के साथ दो पुलिसकर्मी और एक अन्य व्यक्ति उसके घर पहुंचे। सभी लोग जबरन घर के अंदर घुस आए और मकान खाली कराने का दबाव बनाने लगे। प्रतीक ने शिकायत में बताया कि पुलिसकर्मीयों ने उसका वन प्लस-9 प्रो मोबाइल अपने कब्जे में ले



लिया और धमकी दी कि उसे थाने ले जाकर किसी मामले में बंद कर देंगे। इसके बाद घर खाली करने के लिए समय देने के एवज में 50 हजार रुपए रिश्तत मांगी। इसके बाद प्रदीक को एटीएम से पैसे निकालने भेजा गया, लेकिन वह सीधे एसीपी कार्यालय पहुंच गया और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद एसीपी कार्यालय में ट्रेप कार्रवाई की योजना बनाई। प्रतीक ने बताया कि उसके पास केवल

20 हजार रुपए हैं। इसके बाद 500-500 रुपए के 40 नोटों के नंबर पंचनामा बनाकर साक्षियों की मौजूदगी में दिए गए। इसके बाद प्रतीक से रिश्तत मांगने वाले के मोबाइल पर कॉल कराया गया। दूसरी ओर से उसे कोहैफिजा पुलिस सहायता केंद्र के पास बुलाया गया। एसीपी कार्यालय की टीम, साक्षियों और प्रतीक के साथ मौके पर पहुंची। पूर्व निर्धारित योजना के तहत प्रतीक और साक्षी अभिषेक तिवारी आरोपियों के संपर्क में गए, जबकि दूसरी टीम निगरानी करती रही। थोड़ी देर बाद कोहैफिजा एफआरवी-1 का चालक सुनील मालवीय प्रतीक के पास पहुंचा। उसने प्रतीक से बातचीत की और फिर किसी अन्य व्यक्ति से मोबाइल पर चर्चा की। इसके बाद वह प्रतीक और साक्षी को एक तरफ ले गया। प्रतीक ने शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद एसीपी कार्यालय में ट्रेप कार्रवाई की योजना बनाई। प्रतीक ने बताया कि उसके पास केवल

आरोपी के जेब में मिले 500 रुपए के 40 नोट

तलाशी के दौरान आरोपी की पैंट की जेब से 500 रुपए के 40 नोट यानी कुल 20 हजार रुपए बरामद हुए। नोटों के नंबरों का मिलान पंचनामा से किया गया, जो पूरी तरह सही पाए गए। आरोपी के पास से फरियादी का वन प्लस-9 प्रो मोबाइल भी बरामद हुआ। इसके अलावा आरोपी का निजी टेबलोन कंपनी का मोबाइल और एफआरवी का शासकीय मोबाइल भी जब्त किया गया। पूछताछ में आरोपी सुनील मालवीय ने रिश्तत लेने की बात स्वीकार करते हुए बताया कि उसने यह रकम आरक्षक यशराज तोमर के कहने पर ली थी। उसने यह भी बताया कि पैसे लेने से पहले उसने यशराज से फोन पर बातचीत की थी और फरियादी का मोबाइल भी यशराज ने ही उसे दिया था। इसके बाद पुलिस ने आरक्षक यशराज तोमर को तलाब किया। पूछताछ में उसने भी घटना स्वीकार कर ली। दोनों आरोपियों को अदालत के लिए अतिरिक्त धाराओं में तलाब किया गया। पुलिस ने आरोपियों से बरामद रकम, मोबाइल और अन्य सामग्री जब्त कर सीलबंद कर दी है। मामले की आगे की जांच जारी है।

रेलवे स्टेशन पर फूल बरसाकर किया सभी का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

यात्रा करके वापस लौटी सभी बहनों का सिख समाज के लोगों रेलवे स्टेशन पर फूल बरसाते हुए स्वागत किया। यह यात्रा पवित्र कौर और रजनी कौर के नेतृत्व में 5 मई को औबेदुल्लागंज पंचायती गुरुद्वारा में गुरु के चरणों में अरदास करके निकली थी। सभी बहनों ने सिख धर्म के सचखंड गुरुद्वारा साहिब की यात्रा सचखंड दमदमा साहिब से शुरू की थी।

दमदमा साहिब से होती हुई यह यात्रा सचखंड केशगढ़ साहिब (आनंदपुर साहिब) पहुंची। वहां से सभी ने गुरु गोविंद सिंह जी चार साहिबजादों और माताजी से भी परिवार बिछोर गुरुद्वारा साहिब जी के दर्शन किए ठंडा बुज जहां पर

तीर्थ यात्रा कर औबेदुल्लागंज लौटा सिख समाज की महिलाओं का जत्था



औबेदुल्लागंज रेलवे स्टेशन पर फूल बरसाकर यात्रियों का स्वागत करते हुए।

छोटे दोनों साहिबजादों को रखा गया था, वहां पर भी जाकर सुख शांति की अरदास की।

सभी बहने गुरु गोविंद सिंह जी के किले के भी दर्शन किए। इस यात्रा में गुरनाम कौर, गुरमीत कौर, गुरजीत कौर, हजजीत कौर, रविंदर

कौर, सतवीर कौर, जसविंदर कौर, सुखबीर कौर, कमलजीत कौर, प्रदुम्न कौर, रणजीत कौर, निरवैर कौर, सतवंत कौर, जसवीर कौर, चरणजीत कौर, दविंदर कौर, प्रितपाल कौर सहित अन्य यात्रा शामिल थे।

मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के लिए मतदान आज

महापौर राय और विधायक रामेश्वर कल करेंगे भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ►► संतनगर

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के निर्वाचन के लिए मतदान मंगलवार को होगा । इस निर्वाचन में संपूर्ण मध्य प्रदेश से 122 एवं भोपाल से 20 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे हैं। इन प्रत्याशियों में 18 पुरुष और 7 महिला सदस्यों का निर्वाचन किया जाएगा। मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के निर्वाचन की आधिकारिक घोषणा सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के पालन में की गई थी। यह निर्णय रिट याचिका एम वरधान बनाम भारत संघ एवं अन्य तथा संबंधित प्रकरणों में पारित आदेशों के अनुपालन में लिया गया। इस चुनाव में 88,000 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान जिला कोर्ट परिसर में मंगलवार को प्रातः 10 बजे से लेकर सायं 5 बजे तक किया जाएगा।

मंदिर में आयोजित धर्मसभा को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पट्टाचार्य 108 मुनि श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सुशिष्य 108 मुनि श्री विश्वत सागर जी महाराज का ससंध मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर नगर में पूर्व से विराजमान 108 मुनि श्री साध्यसागर जी महाराज ने नगर की सीमा पर पहुंचकर उनकी भावभीनी अगवानी की।

दोनों मुनिराजों के भव्य मिलन के साक्षी बनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। इसके पश्चात मंदिर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने मर्मस्पर्शी प्रवचन दिए। उन्होंने समाज को प्रेरित करते हुए कहा कि मनुष्य जन्म का वास्तविक साध्य अपनी आत्मा का कल्याण और मोक्ष मार्ग पर अग्रसर होना है।

रिटायर्ड एसडीओ के गैरिज में तोड़फोड़ मकान का दरवाजा बाहर से किया बंद टीटी नगर पुलिस को दिया शिकायती आवेदन, कैसर पीड़ित हैं रिटायर्ड एसडीओ

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल
 सरस्वती नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में मकान के खरीदार ने किराए से रह रहे कैसर पीड़ित लोक निर्माण विभाग के रिटायर्ड एसडीओ के गैरिज में तोड़फोड़ कर दी। तोड़फोड़ करने से पूर्व उसने मकान का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया था। उन्होंने घटना की शिकायत टीटी नगर थाने और कमिश्नर कार्यालय में की है। उनका आरोप है कि 30 अप्रैल 2026 को घर के सामने गैरिज में तोड़फोड़ हुई थी, जिसकी शिकायत उन्होंने थाने में की, लेकिन

पुलिस ने तोड़फोड़ करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की। जानकारी के अनुसार अमल राज जैन लोक निर्माण विभाग से रिटायर्ड हैं और लगभग 20 साल से हाउसिंग बोर्ड के मकान में एसएच-श्री में परिवार के साथ रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे कैसर की अंतिम स्टेज का मरीज हैं। मकान मालिक ने मकान बेच दिया है, जिसने मकान खरीदा है वह मकान खाली करने का दबाव बना रहा है। वह नियमित रूप से बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से किराए का भुगतान कर रहे हैं।

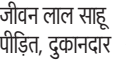
मामला कोर्ट में विचाराधीन

पुरुषोत्तम नामक व्यक्ति लगातार उनको धमकियां दे रहा है, जबकि आवास संबंधी मामला कोर्ट में विचाराधीन है। मामला लंबित होने के बावजूद पुरुषोत्तम ने कुछ लोगों के साथ मिलकर मकान में घुसकर तोड़फोड़ की। परिवार की घर के अंदर बंद कर दिया गया। अमल राज का कहना है कि नए मकान मालिक से चार महीने की मोहलत मांगी और चार महीने का किराए लेने का कहा, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं है। इस संबंध में थाना प्रभारी गौरव देहठर से बातचीत करने का प्रयास किया, लेकिन लगातार कॉल करने पर भी उन्होंने कॉल रिस्वीव नहीं किया।

अतिक्रमण में हटाई गई थीं दर्जनों दुकानें, अब तक नहीं मिला स्थान बेरोजगार दुकानदारों को परिवार पालना हुआ मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

नगर में एक वर्ष पूर्व प्रशासन द्वारा चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान में कई गरीब दुकानदारों की दुकानें तोड़ दी गई थीं। इस कार्रवाई के बाद प्रभावित दुकानदार आज भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन्हीं में से



जीवन लाल साहू पीड़ित, दुकानदार

एक हैं करण जीवन लाल साहू, जो दुकान टूटने के बाद से बेरोजगार घर पर बैठने को मजबूर हैं। साहू ने बताया कि दुकान टूटने के बाद उन्होंने कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन अब तक उनकी सुनवाई नहीं हुई।

पत्नी से कहासुनी, पति ने लगाई फांसी

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित हथारईखेड़ा श्मशान के पास रहने वाले एक ड्राइवर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह ट्रैवल्स की गाड़ी चलाता था। रात में उसकी पत्नी से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। अगले ही सुबह परिजन ने उसकी लाश फांसी के फंदे पर लटकी देख पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल का निरीक्षण करने पर पुलिस को मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार सोनू यादव

पिता स्वर्गीय प्रीतम सिंह यादव (34) हथारईखेड़ा श्मशान के पास आनंद नगर में रहता था। वह ट्रैवल्स की गाड़ी चलाता था। उसके परिवार में मां, पत्नी और दो बच्चे हैं। सोनू की मां ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात सोनू काम से लौटा था। उसकी किसी बात को लेकर पत्नी से कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद सभी लोग सो गए। शनिवार सुबह परिजन की नौद खुली तो सोनू फांसी के फंदे पर लटका मिला।

दो करोड़ की लागत से होगा क्षेत्र की तीन बड़ी सड़कों का निर्माण



एमआईसी सदस्य मौके पर पहुंच कर अवलोकन करते हुए।

जबकि पंजाब नेशनल बैंक रोड की निर्माण महापौर कोटे से किया जाएगा। एमआईसी मेंबर राजेश हिंगोरानी व विनय दादलानी ने बताया कि इसके अलावा झुलैलाल मंदिर के पास शेड निर्माण भी किया जा रहा है।

इन तीनों सड़क के अलावा क्षेत्र में अन्य कई निर्माण कार्य का भूमि

मुनिश्री का ससंध मंगल नगर प्रवेश, की भावभीनी अगवानी



मंदिर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते मुनिश्री।

मुनिश्री ने दिया प्रवचन

उन्होंने जोर दिया कि हमें सांसारिक उलझनों में उलझकर 'वात्सल्य' के भाव को कभी नहीं भूलना चाहिए और प्रत्येक दिगंबर मुनि के प्रति सदैव नमन व श्रद्धा का भाव रखना चाहिए। इस अवसर पर वार्ड 13 की पार्षद हेमलता चौरसिया उपस्थित रही। समाज के अध्यक्ष सुनील तामोटे राजीव जैन, अनिल जैन, मुकेश जैन, संभव जैन, अनिकेत जैन, शुभम जैन, आशा राणी, शिरोमणि जैन, पुनम जैन, इंदिरा जैन, नीति अनुराग जैन, समता, सुनील वर्धमान, संगीता जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मप्र में निवेश संभावनाओं को लेकर फ्रांसीसी उद्योग जगत के साथ होगा मंथन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में मंगलवार 12 मई को आयोजित होने वाले मुख्य सत्र में मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीतियों, निवेश प्रोत्साहन, ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस और निवेश सुविधा सिस्टम पर विस्तृत प्रस्तुति दी जाएगी। अनलॉकिंग मध्यप्रदेश- पॉलिसी, पार्टनरशिप एंड पाथवेज फॉर सस्टेनेबल इन्वेस्टमेंट विषय पर विशेष पैरल चर्चा भी आयोजित होगी, जिसमें फ्रांस की प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम के मुख्य सत्र को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल के समक्ष मप्र की औद्योगिक दृष्टि, निवेश संभावनाओं, अर्थोसंरचना विकास और भविष्य की विकास रणनीति को प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में विभिन्न फ्रांसीसी कंपनियों की ओर से एक्सप्रेसशन ऑफ़ इंटररेस्ट प्रस्तुत किए जाएंगे तथा महत्वपूर्ण एमओयू का आदान-प्रदान भी होगा।



मुख्यमंत्री की पहल पर आज भोपाल में होगा इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव

फ्रांस के राजदूत, फ्रांसीसी उद्योग जगत के प्रतिनिधि होंगे शामिल

इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में फ्रांस के राजदूत, फ्रांसीसी उद्योग जगत के प्रतिनिधि, वैश्विक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी, मध्यप्रदेश शासन के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और प्रदेश के उद्योग प्रतिनिधि शामिल होंगे।

कॉन्क्लेव से मप्र और फ्रांस के बीच दीर्घकालिक औद्योगिक, तकनीकी और संस्थागत साझेदारी होगी। इससे राज्य सरकार फ्रांसीसी कंपनियों को मध्यप्रदेश के औद्योगिक वातावरण, निवेश संभावनाओं, नीति समर्थन और तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक इको-सिस्टम से अवगत कराएगी।

मध्यप्रदेश को उभरते औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा

कार्यक्रम में एखो एवं फूड प्रोसेसिंग, ऑटोमोबाइल एवं इवी, कंज्यूमर गुड्स एवं रिटेल, डिफेंस एवं एविएशन, ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर, फार्मा एवं मेडिकल डिवाइसेस, रियलएबल एनर्जी, टेक्सटाइल, पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहेगा। इन सेक्टर में मप्र को उभरते औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

राज्य सरकार का प्रयास केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश को तकनीक, नवाचार, अनुसंधान, कोशल विकास और सतत औद्योगिक विकास आधारित साझेदारी के मॉडल के रूप में स्थापित करना है। कॉन्क्लेव में पारंपरिक निवेश चर्चा के साथ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, लोकल मैनुफैक्चरिंग, रिस्कलिंग, रिसर्च कोलैबोरेशन और संस्थागत भागीदारी भी विशेष ध्यान रहेगा।

प्रतिष्ठित फ्रांसीसी कंपनियों की भागीदारी प्रस्तावित

कॉन्क्लेव में सनोफी, डिसॉल्ट सिस्टम्स, सुफ़लेट माल्ट, सिस्ट्रा, इंडीएफ, एंजी, मोनिन, रॉयल कैनिन, लेक्टालिस, वर्टो मोबिलिटी, टेक्नीक सोलैर, जियोडिस इंडिया और अन्य प्रतिष्ठित फ्रांसीसी कंपनियों की भागीदारी प्रस्तावित है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए फ्रांस के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना भी है।

इंडो-फ्रेंच कॉन्क्लेव के जरिए जीआईएस 2027 में फ्रांस की प्रभावी भागीदारी और फ्रांसीसी निवेश को लेकर सकारात्मक माहौल तैयार करना है।

मध्यप्रदेश में संभावनाएं तलाश रही हैं कई कंपनियां

फ्रांस की कई प्रतिष्ठित कंपनियां पहले से मप्र में संभावनाएं तलाश रही हैं। सनोफी की ओर से एक्स भोपाल के साथ सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस विकसित करने की दिशा में चर्चा की जा रही है। 'डिसॉल्ट सिस्टम्स' राज्य में वर्चुअल टिकन टेक्नोलॉजी के माध्यम से शहरी विकास, तकनीकी शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रिस्कल डेवलपमेंट और पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं दिख रही हैं। 'डेकाथलॉन' राज्य में सौरांग, रिटेल विस्तार, सप्लाई चेन और स्पोर्ट्स आधारित रिस्कलिंग

मॉडल विकसित करने में रुचि दिखा रही है। सिस्ट्रा की ओर से सड़क, मेट्रो, रेलवे, जल प्रबंधन, अर्बन प्लानिंग, डेटा सेंटर और केबल कार सिस्टम जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की जा रही है। वहीं सुफ़लेट माल्ट ने माल्टिंग बाली आधारित कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग, किसान क्षमता विकास और सप्लाई चेन इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर प्रस्ताव साझा किया है। 'डुनासिस' की ओर से भारत में मैनुफैक्चरिंग लोकलाइजेशन पर केंद्रित निवेश प्रस्ताव पर भी विचार चल रहा है।

60 से 80 उद्योग प्रतिनिधियों की भागीदारी भी कार्यक्रम में प्रस्तावित

प्रदेश के लगभग 60 से 80 उद्योग प्रतिनिधियों की भागीदारी भी कार्यक्रम में प्रस्तावित है। इनके और फ्रांसीसी कंपनियों के बीच बी-2-बी और बी-2-जी बैठकें आयोजित होंगी, जिनमें संभावित निवेश, संयुक्त उपक्रम, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा होगी। इसकी शुरुआत 11 मई को फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल के मप्र जनजातीय

संवाहलय भ्रमण से हुई, जहां प्रतिनिधियों को प्रदेश की जनजातीय कला, संस्कृति और विरासत से परिचित कराया गया। दूसरे दिन 12 मई को फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल यूनेस्को विश्व धरोहर भीमबेटका रॉक शैल्टर्स का भ्रमण करेगा। यह भ्रमण मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के सामने प्रस्तुत करने का अवसर बनेगा।

11 दिसंबर 2025 को प्रदेश को नवसल मुक्त कराया, डायल 112 सेवा की शुरुआत की 101 पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को मिले रुस्तमजी अवॉर्ड-अब जिले में पुलिसकर्मी भी ले सकेंगे आवास

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी के रवींद्र भवन में सोमवार को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केएफ रुस्तमजी पुरस्कार से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को अलंकृत किया गया। यह सम्मान साल 2019-20 और 2021-22 की अवधि में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया गया है। पुलिस के 101 अधिकारियों और कर्मचारियों को डॉ. मोहन यादव ने डीजीपी कैलाश मकवाणा के साथ सम्मानित किया।

इस दौरान मंच पर एडीजी चंचल शेखर, आदर्श कटियार मौजूद थे। इस दौरान सीएम ने कहा- पुलिस के जवानों को जिले के अंदर जहां उनकी पात्रता है, अगर वो आवास लेना चाहे तो वहां हाउसिंग बोर्ड, प्राधिकरण से मैं बात करने वाला हूं कि हमारे जवानों को भी आवास दीजिए। उनकी चिंता करना हमारी सरकार की आवश्यकता है। समारोह में मौजूद पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चूँकि गृह विभाग उनके पास है, इसलिए उनका मन भी ऊंचाइयों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि सभी ने जो साहस दिखाया है और जिस दिन उन्होंने पुलिस में भर्ती होकर मेहनत की थी, उसका आज सम्मान करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले दो साल के पुरस्कार दिए जाते थे, अब कोशिश की जाएगी कि हर साल पुरस्कार दिए जाएं ताकि पेंडिंग न रहे। क्योंकि कुछ लोगों को रिटायरमेंट के बाद पुरस्कार मिला है, जिससे उनके मन में यह कसक रह सकती है कि यह सम्मान सेवा के दौरान मिलना चाहिए था।



कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव, इनसेट में सम्मान प्राप्त करते हुए।

‘हमारी पुलिस हर चुनौती से निपटने का सक्षम’

सीएम ने कहा कि रुस्तमजी अद्भुत व्यक्तित्व के धनी रहे हैं। उस दौर में जब मध्यप्रदेश कई राज्यों में बंटा हुआ था, तब हर जिले में पुलिस लाइन सहित तनाम व्यवस्थाओं को मजबूत करने में उनका योगदान रहा। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इकैतो को समाप्त कर देश को संदेश दिया है कि हमारी पुलिस हर चुनौती से निपटने में सक्षम है।

‘पहले पुलिस को था ज्यादा खतरा’

सीएम ने 1992 का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय पुलिस पर खतरा अधिक था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हथियार और आतंक से संविधान और कानून को डराना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि 2026 में पुलिस में 10 हजार भर्ती की जाएगी, जिसमें सब इन्स्पेक्टर से लेकर अन्य पद शामिल होंगे। इसके बाद करीब 5-6 हजार पद ही शेष रहेंगे।

पिता के डीएसपी बनने का किस्सा सुनाया

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा बचपन ने मैंने सुना है, सुसुरो फरामोज रुस्तमजी जिन्हें केएफ रुस्तमजी के नाम से जाना जाता है। डीजीपी ने कहा 1968 बैच में मेरे पिता डीएसपी में चयनित हुए थे। उसके 7 साल पहले रुस्तम जी 1958 से 1965 तक प्रदेश के दूसरे पुलिस मुखिया रहे हैं। उन्होंने मप्र पुलिस में कई परंपराएं स्थापित करने में योगदान दिया।

डीजीपी बोले- बेटा सेवा करेगा

डीजीपी ने कहा- डॉक्टरों ने सलाह दी कि आप पुलिस की नौकरी कंट्रीव्यू मत करिए। वरना आपको पैरालिसिस हो सकता है। उन्हें डीएसपी की नौकरी छोड़नी पड़ी। सौभाग्य से वे पहले नायब तहसीलदार पद पर थे। वो नौकरी उन्होंने वापस जॉइन की और वे डिप्टी कलेक्टर पद से रिटायर हुए। मैं पुलिस में सिलेक्ट हुआ तो पिता बोले- बेटा खाकी की सेवा करेगा।

सीएम यादव के नेतृत्व में प्रदेश को कई उपलब्धियां हासिल हुईं

डीजीपी ने कहा- हमारे मुख्यमंत्री जो प्रदेश के गृह मंत्री भी हैं उनके नेतृत्व में प्रदेश ने कई अमूल्य सफलताएं अर्जित कीं। 11 दिसंबर 2025 को प्रदेश को नवसल मुक्त कराया। डायल 112 सेवा की शुरुआत की। पुलिस बल की कमी को दूर करने पिछले साल 7500 कॉन्स्टेबल को मिलाकर 8500 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी। इस महीने तक सभी पदों पर जॉइनिंग हो जाएगी।



महंगाई के खिलाफ युवा कांग्रेस का साइकिल मार्च, केंद्र सरकार की नीतियों पर साधा निशाना

भोपाल। राजधानी भोपाल में युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित खत्री द्वारा कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और बढ़ती महंगाई के विरोध में साइकिल मार्च निकाला गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों की बढ़ती कीमतों और आम जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और कई शहरों में पेट्रोल 106 प्रति लीटर तक पहुंच चुका है। इससे आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह विफल रही है। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने प्रधानमंत्री की अपिलों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कथनी और करनी में अंतर है। शुक्ला ने कहा कि एक ओर जनता को पेट्रोल बचाने और साइकिल चलाने की सलाह दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर बड़े-बड़े काफिलों में वाहनों का उपयोग किया जा रहा है।

श्रमदान सप्ताह के दूसरे दिन पहुंचे डेढ़ दर्जन श्रमदानी

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

बेतवा नदी के सूखे उद्गम स्थल को पुनर्जीवित करने के लिए 10 मई को शुरू हुए श्रमदान सप्ताह के दूसरे दिन लगभग डेढ़ दर्जन श्रमदानी सुबह आठ बजे झिरी स्थित उद्गम स्थल पहुंचे।

कड़ी धूप के बावजूद दोपहर 12 बजे तक श्रमदान से पिछले साल बने कुछ चैक डैम की मरम्मत की गई और श्रमदानियों द्वारा पांच नए चैक डैम बनाए गए। आज कार्यालय दिवस होने



श्रमदान करने पहुंचे लोग।

के कारण सेवारत श्रमदानी नहीं आ सके। कम संख्या के बावजूद श्रमदानियों ने पूरे उत्साह से पहले दिन के बराबर काम किया, ताकि इस रचनात्मक कार्य

शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने किया डीपीआई के सामने प्रदर्शन

भोपाल। प्रथमिक शिक्षक वर्ग-अर्चन माध्यमिक शिक्षक वर्ग-2 संगीत/गायन-वादन के चयनित अभ्यर्थियों ने शीघ्र शाला खोल एवं नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ करने की मांग को लेकर सोमवार को लोक शिक्षण संचालनालय परिसर के सामने प्रदर्शन किया। इसके पहले अख्ययी स्कूल शिक्षा मंत्री के बंगले पर पहुंचे थे, जहां से उन्हें डीपीआई भेज दिया गया। जहां देर शाम तक अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया और प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग को लेकर ह्वापन सौंपा।



डीपीआई के सामने प्रदर्शन करते अभ्यर्थी।

टाइम लिमिट बैठक में कलेक्टर ने दी हिदायत

होटल, ढाबे, पेट्रोल पंप पर जाने हाइवे पर बनाए कट्स, एनओसी होगी रद्द

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

शहर के आसपास नेशनल हाईवे के डिवाइडरों पर बने अवैध कट्स सड़क पर हादसों का सबब बने हुए हैं। होटल्स, ढाबे और पेट्रोल पंपों के सामने डिवाइडर को तोड़कर वाहनों को यू टर्न या सड़क क्रॉस करने में उद्योग्य किया जा रहा है, जिससे हाइवे पर हादसों का खतरा बढ़ रहा है। देखने में आया है कि कई पेट्रोल पंप संचालकों ने वाहन चालकों के लिए डिवाइटर पर कट्स लगा दिए हैं, जिससे रांग साइड वाले वहन



टाइम लिमिट बैठक में अधिकारियों से चर्चा करते कलेक्टर प्रियंक मिश्रा।

चालक सीधे पेट्रोल पंप पर वाहन ला सके। ऐसा करने पर पंप की एनओसी रद्द की जाएगी। यह बात सोमवार को टाइम लिमिट बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कही। उन्होंने कहा कि इस मामले में

नेशनल हाईवे अथॉरिटी अवैध कटों को बंद करएगी। बैठक में बताया गया कि हाइवे के डिवाइडर पर अवैध कट बनाने की वजह से हर दिन हादसे होते रहते थे। कई लोगों की जान जा चुकी है।

दो लाख 40 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीदी

कलेक्टर ने जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रमान सिंह जादौन से गेहूं खरीदी के बारे में जानकारी ली। जिस पर बताया गया कि जिले में 2 लाख 40 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीदी की जा चुकी है। 23 मई तक बड़े किसानों के रलॉट बुक किए जाएंगे, जबकि 25 मई तक गेहूं खरीदी होगी। जिले के आधा दर्जन गोदामों के फुल होने की वजह से गेहूं बाहर रखा है, जिसका एफसीआई के गोदाम में परिवहन किया जा रहा है।

टेबल पर नहीं दिखना चाहिए फाइलें

कलेक्टर ने ई-फाइल सिस्टम को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी अफसर की टेबल पर फाइलों का गुट्टा नहीं दिखना चाहिए। सभी विभाग ई-ऑफिस सिस्टम से ही फाइलों को ऑनलाइन पेश करें, जिससे काम में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि इस सिस्टम पर यह भी पता चल जाएगा कि फाइल अफसर के पास कितने दिन से पेंडिंग चल रही है।

विधानसभा भवन परिसर में आयोजित की बैठक

सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति की प्रथम बैठक में भूमिका, दायित्व एवं कार्यप्रणाली पर हुआ विचार

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मप्र विधानसभा की सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति की प्रथम परिचयात्मक बैठक समिति की सभापति अर्चना चिटनिस के सभापतित्व में सोमवार को विधानसभा भवन परिसर में आयोजित की गई।

बैठक में समिति के सदस्यों अशोक रोहाणी, श्रीमती गायत्रीराजे



विधानसभा भवन परिसर में आयोजित बैठक में चर्चा करते हुए।

पवार, सुशील कुमार तिवारी, फूलसिंह बोया, निनेन्द्र बुजेंद्र सिंह राठौर एवं केशव देसाई शामिल हुए।

सभापति ने समिति की भूमिका, दायित्व एवं कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला गया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल रहे उपस्थित

मप्र पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ने किया पदभार ग्रहण

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल की उपस्थिति में सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ने पदार्पण किया।

इसके बाद पुस्तक भवन, अरेरा हिल्स पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर पदभार ग्रहण किया। मप्र पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ने कहा कि यह जिम्मेदारी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने का अवसर है। गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरुआ, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, सहित मीडिया प्रभारी आशीष उपा अग्रवाल, प्रदेश अतिथि उपस्थित रहे।

खादी गामोद्योग बोर्ड, लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष आज करेंगे पदभार ग्रहण

भोपाल के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल की उपस्थिति में 12 मई को सुबह 11 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में मप्र खादी गामोद्योग बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष पंकज जोशी, लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येन्द्र भूषण सिंह एवं मप्र कुश कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रमूद्याल कुशवाह दोपहर 12 बजे महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद वह अपने-अपने कार्यालय पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर पदभार ग्रहण करेंगे। इस दौरान पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

बंगाल में ममता सरकार में नियुक्त सभी मनोनीत अधिकारी बर्खास्त, केंद्र की योजनाएं शुरू

एजेसी ►► कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को पहली कैबिनेट बैठक की। इस दौरान कई बड़े फैसले लिए। उन्होंने राज्य सरकार के अधीन गैर-सांविधिक निकायों, बोर्डों, संगठनों और सार्वजनिक उपक्रमों में नियुक्त सभी मनोनीत सदस्यों, निदेशकों और अध्यक्षों के कार्यकाल को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्देश जारी किया। इसके साथ ही राज्य सरकार ने 60 वर्ष की सामान्य सेवानिवृत्ति आयु के बाद एक्सटेंशन या रि-अपॉइंटमेंट पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवाएं भी तत्काल प्रभाव से समाप्त करने को कहा है। सीएम ने यह भी ऐलान किया कि राज्य में केंद्र सरकार की ‘आयुष्मान भारत योजना’ को लागू किया जाएगा। इसके अलावा केंद्र की अन्य योजनाओं को भी राज्य में लागू करने का फैसला लिया गया है।

सीएम सुवेंदु ने पहले दिन कई अहम फैसले

सेवानिवृत्ति के बाद एक्सटेंशन पर कार्यरत लोगों की सेवाएं तत्काल समाप्त



सीएम सुवेंदु ने कोलकाता स्थित राज्य सचिवालय ‘नबन्ना’ में पहली कैबिनेट बैठक की

स्कूल में नौकरी के लिए आयु सीमा बढ़ी

बंगाल सरकार की कैबिनेट ने गवर्नमेंट स्कूलों में नौकरी के लिए आवेदन करने वालों की आयु सीमा में 5 साल की बढ़ोतरी को भी मंजूरी दे दी है। यह वादा चुनाव अभियान के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था। कैबिनेट ने केंद्र सरकार के ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने के निर्देश देने का अधिकार दिया है।

राज्य में बीएनएस लागू

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि टीएमसी सरकार ने संविधान का उल्लंघन करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) को राज्य में लागू नहीं किया था। अब राज्य सरकार ने इसे लागू करने का फैसला लिया है। जून 2025 की जनगणना की अधिसूचना को अब तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्णय लिया गया है।

‘आयुष्मान भारत योजना’ शुरू

पीएम जन आरोग्य योजना, पीएम किसान बीमा योजना, पीएम श्री, विश्वकर्मा योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और उज्ज्वला योजना समेत कई केंद्रीय योजनाओं को राज्य में तेजी से लागू करने की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की गई। सभी लंबित आवेदनों को शीघ्र केंद्र को भेजने का निर्देश दिया गया।

बीएसएफ को भूमि हस्तांतरण की मंजूरी दी

सीएम ने बांग्लादेश से लगी सीमा पर बाड़बंदी के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि हस्तांतरण की मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि बंगाल के सीमावर्ती जिलों में लगातार बदलती जनसांख्यिकी की पृष्ठभूमि में हमारे मंत्रिमंडल ने बांग्लादेश के साथ सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को आवश्यक जमीन हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी। मुख्य सचिव और राज्य के भूमि राजस्व विभाग के सचिव से प्रक्रिया 45 दिन के अंदर पूरी करने को कहा गया है।

खबर संक्षेप

16 जून से नोएडा से अकासा की उड़ानें शुरू

नई दिल्ली। अकासा एयर 16 जून से नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपनी उड़ान सेवाएं शुरू करेगी।



अकासा एयर ने कहा कि वह 16 जून से नोएडा हवाई अड्डे को बंगलुरु और नवी मुंबई से जोड़ने वाली दैनिक उड़ानें शुरू करेगी। अकासा एयर का हवाई अड्डा परिसर के भीतर एक रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल केंद्र भी होगा।

सीएम मान के भाई भाजपा में शामिल

चंडीगढ़। पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान के मौसेरे भाई ज्ञान सिंह मान ने भारतीय जनता पार्टी का



दामन थाम लिया है। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी और पंजाब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ की मौजूदगी में ज्ञान सिंह मान ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। बलजिंदर सिंह बड्ढिंग ने भी भाजपा में शामिल होने का ऐलान किया।

जैकलीन की याचिका का ईडी ने विरोध किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपए



के धनशोधन मामले में सरकारी गवाह बनने की अनुमति मांगने वाली अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज की एक याचिका का विरोध किया है। ईडी ने अदालत से कहा कि उन्हें सुकेश के आपराधिक पृष्ठभूमि की जानकारी थी।

आईआईटी रुड़की के शोधार्थी का शव बरामद

हरिद्वार। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की में शोध कर रहे नैनीताल के एक छात्र



का शव हरिद्वार में गंगनहर से बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि एक शव बरामद होने की सूचना मिली थी,

जिसकी शिनाख्त आईआईटी रुड़की के शोधार्थी मोहित आर्य (40) के रूप में हुई।

भारत की नई पहल: नड्डा और चौहान की मौजूदगी में सेहत मिशन लॉन्च

आईसीएआर और आईसीएमआर की साझेदारी से हेल्दी इंडिया का नया दौर

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में यहां ‘सेहत मिशन’ लॉन्च किया गया। खेती से स्वास्थ्य तक भारत की नई बड़ी पहल है। यह आईसीएआर आईसीएमआर की साझेदारी से प्रारंभ हेल्दी फूड, हेल्दी फार्म और हेल्दी इंडिया का नया महत्वपूर्ण मिशन है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल और आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट भी उपस्थित रहे।

इलाज के साथ रोकथाम, निरंतर देखभाल पर जोर



समय पर पहचान और निरंतर देखभाल पर बल दे रही है।

अच्छा स्वास्थ्य सही भोजन से : चौहान ने कहा कि भारत की परंपरा में हमेशा से स्वस्थ शरीर को सबसे बड़ा सुख माना गया है और अच्छा स्वास्थ्य सही भोजन से ही आता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि देश को अब केवल अधिक उत्पादन नहीं, बल्कि ऐसा उत्पादन चाहिए जो पोषण दे, रोगों से बचाए।

कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि ‘सेहत मिशन’ भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया में एक बड़े बदलाव का प्रतीक है, जहाँ सरकार अब केवल इलाज पर नहीं, बल्कि रोकथाम, समय पर पहचान और निरंतर देखभाल पर बल दे रही है।

सुवेंदु अधिकारी पीए हत्याकांड टोल पर यूपीआई पेमेंट करना

बना गिरफ्तारी का अहम सुराग

एजेसी ►► कोलकाता



चंद्रनाथ राय

अधिकारी के निजी सहायक थे। पुलिस ने इस हत्याकांड के सिलसिले में तीन आरोपियों मयंक राज मिश्रा, विक्की भौर्य और राज सिंह को

गिरफ्तार किया था। इन सभी को सोमवार को अदालत में पेश किया गया था। चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में पुलिस के हाथ एक महत्वपूर्ण सुराग लगा था। निवेदिता सेतु पर एक टोल प्लाजा पर किए गए यूपीआई भुगतान ने पुलिस को हत्या के तीन संदिग्धों तक पहुंचने में मदद की है। इन आरोपियों को उत्तर प्रदेश और बिहार से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का मानना है कि इस साजिश और हत्या में कम से कम आठ लोग शामिल थे। पुलिस ने बताया कि हत्या में इस्तेमाल की गई सिल्वर रंग की हैचबैक को झारखंड से खरीदा गया था।

पीएम की अपील के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने दिया स्पष्टीकरण

पेट्रोल-डीजल का स्टॉक पर्याप्त, एलपीजी की सप्लाई जारी

एजेसी ►► नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच भारत सरकार ने देशवासियों से पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने की अपील की है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ कहा कि वैश्विक ऊर्जा सप्लाई चैन पर असर पड़ा है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। इसके बावजूद देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। सरकार ने कहा कि जहां संभव हो वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल किया जाए। लोग कारपूलिंग अपनाएं।

सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं

देश में कच्चे तेल का मंडार पर्याप्त मात्रा में मौजूद

रोजमर्रा की जिंदगी में ऊर्जा बचाने की कोशिश करें

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने प्रेस वार्ता में कहा कि अगर हर नागरिक रोजमर्रा की जिंदगी में ऊर्जा बचाने की कोशिश करेगा तो देश पर पड़ रहा आर्थिक दबाव कम हो सकेगा। उन्होंने कहा कि देश में कच्चे तेल का भंडार पर्याप्त मात्रा में मौजूद है और सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं। देश के किसी भी पेट्रोल पंप पर ईंधन खत्म होने की स्थिति नहीं है।

3 दिनों में एलपीजी बिक्री 17 हजार टन से अधिक

घरेलू रसोई गैस की सप्लाई लगातार जारी है और पर्याप्त मात्रा में एलपीजी उपलब्ध है। पिछले तीन दिनों में 1 करोड़ 14 लाख बुकिंग के मुकाबले 1 करोड़ 26 लाख एलपीजी सिलेंडर वहां तक पहुंचाए गए हैं। कमर्शियल एलपीजी की बिक्री भी पिछले तीन दिनों में 17 हजार टन से अधिक रही है।

एलपीजी डिलीवरी को लेकर अलर्ट

जालसाज ओटीपी और ऑर्थोटिकेशन के जरिए कर रहे फ्रॉड

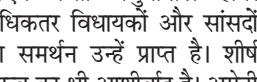
सरकारी तेल कंपनियों ने देश में बढ़ रहे एलपीजी डिलीवरी स्कैम को लेकर चेतावनी दी है और कहा है कि जालसाज गैस डिलीवर करने वाले वेंडर बनकर ओटीपी और डिलीवरी ऑर्थोटिकेशन कोड के जरिए फ्रॉड कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर साइबर धोखाधड़ी के बारे में उपभोक्ताओं को आगह करते हुए कहा कि इस धोखाधड़ी में घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को फर्जी एसएमएस और क्वार्टरसप्ले मैसेज के जरिए निशाना बनाया जा रहा है, जो डिलीवरी नोटिफिकेशन की नकल करते हैं।

रमेश चेन्नितला हो सकते हैं विस अध्यक्ष

केरल के नए सीएम होंगे वेणुगोपाल !

सतीशन ने बढ़ाया दबाव, फैसला जल्द

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली



चेन्नितला सतीशन वेणुगोपाल

सतीशन ‘दूसरी भूमिका’ के लिए तैयार नहीं

सीएम पद के लिए पार्टी आलाकमान की पहली पसंद केसी वेणुगोपाल ही हैं। वहीं, एक अन्य दावेदार रमेश चेन्नितला विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव भी चर्चा में है। हालांकि, सतीशन किसी ‘दूसरी भूमिका’ के लिए तैयार नहीं दिख रहे। सूत्रों का कहना है कि उन्हें जनता के एक बड़े वर्ग के साथ-साथ कांग्रेस की सहयोगी पार्टी इंडियन यूनियन ऑफ मुस्लिम लीग का भी समर्थन प्राप्त है। यही कारण है कि कांग्रेस नेतृत्व के लिए स्थिति पेचीदा बन गई है। कांग्रेस नेतृत्व अब केरल में वैसी स्थिति दोहराने से बचना चाहता है। इस विवाद को सुलझाने के लिए राहुल गांधी ने आज केरल कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों और कार्यकारी अध्यक्षों की एक अहम बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि इस बैठक में मुख्यमंत्री चेहेर पर सहमति बनाने की कोशिश होगी।

सतीशन की दवाब नीति से नाराज हाईकमान

पार्टी हाईकमान सतीशन और चेन्नीथला के समर्थकों द्वारा अपनाई जा रही ‘दवाब की राजनीति’ से नाराज बताया जा रहा है। सतीशन समर्थक शक्ति प्रदर्शन के लिए विरोध-प्रदर्शन और रैलियां कर रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व इस बात को भी लेकर सतर्क है कि यदि सतीशन नाराज होते हैं तो इसका राजनीतिक नुकसान हो सकता है। सतीशन लंबे समय से राज्य में वाम मोर्चे के खिलाफ पार्टी की लड़ाई का प्रमुख चेहरा रहे हैं।

केस से जुड़ी अलग-अलग अदालतों की जानकारी एक ही जगह मिलेगी

सीजेआई ने लॉन्च किया ‘वन केस वन डेटा सिस्टम’, केस ट्रैकिंग प्रभावी होगी

एजेसी ►► नई दिल्ली

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को दो बड़ी पहल की घोषणा की। सुप्रीम कोर्ट में दिन की कार्यवाही शुरू होने से पहले सीजेआई ने बताया कि न्यायपालिका वन केस वन डेटा नामक नई डिजिटल पहल शुरू कर रही है। वन केस वन डेटा पहल के तहत देशभर के सभी हाईकोर्ट, जिला अदालतों और तालुका अदालतों की बहु-स्तरीय सूचनाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेफॉर्म से जोड़ा जाएगा। इस सिस्टम में किसी केस से जुड़ी अलग-अलग अदालतों की जानकारी एक ही जगह उपलब्ध होगी, जिससे केस ट्रैकिंग और प्रबंधन अधिक प्रभावी हो सकेगा।

सु सहायता चैटबॉट भी किया लॉन्च

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी वेबसाइट पर सु सहायता नाम का एआई आधारित चैटबॉट लॉन्च किया है। यह चैटबॉट नागरिकों और वादियों को सुप्रीम कोर्ट की सेवाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध कराने के लिए विकसित किया गया है। इस चैटबॉट को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री के सहयोग से तैयार किया है। सु सहायता उपयोगकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट से जुड़ी प्रक्रियाओं, जरूरी दिशा-निर्देशों, फाइलिंग सिस्टम, केस संबंधी जानकारी और अन्य सेवाओं तक सरल तरीके से पहुंचने में मदद करेगा।



उपयोगकर्ताओं को आगह करते हुए कहा कि इस धोखाधड़ी में घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को फर्जी एसएमएस और क्वार्टरसप्ले मैसेज के जरिए निशाना बनाया जा रहा है, जो डिलीवरी नोटिफिकेशन की नकल करते हैं।

एनआईए और कर्नाटक पुलिस की अलग-अलग टीमें जांच में जुटी

एजेसी ► नई दिल्ली

रविवार को बेंगलूरु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले सुरक्षा में बड़ी भूल सामने आई। पीएम मोदी के काफिले से गुजरने वाले रास्ते से संदिग्ध परिस्थितियों में दो जिलेटिन की छड़े बरामद कई गईं। मामले की जांच जारी है, एनआईए ने इस मामले को अपने हाथ में ले लिया है। दरअसल, पीएम मोदी के काफिले के रास्ते में जिलेटिन की छड़ियां मिलने के एक दिन बाद, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मामले को अपने हाथ में लिया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की एक टीम बेंगलूरु के बाहरी इलाके में उस स्थान की ओर पहुंची है, जहां रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला गुजरने वाला था।

पीएम मोदी के काफिले के रूट के पास कैसे पहुंची जिलेटिन स्टिक, मामले की जांच करने बेंगलुरु पहुंची एनआईए टीम

कर्नाटक पुलिस ने मामले की तह तक पहुंचने के लिए छह विशेष जांच टीमें गठित की



फाइल फोटो

एक आरोपी को पकड़ा, पूछताछ कर क्लू खोज रही पुलिस

जांच की गति को बढ़ाया

हालांकि, इस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन जांच एजेंसियों ने दोषियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमों का गठन कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेंगलूरु दौरे से पहले उनके काफिले के रास्ते पर जिलेटिन स्टिक मिलने के मामले ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इस मामले की जांच अब और तेज कर दी गई है। कर्नाटक पुलिस ने मामले की तह तक पहुंचने के लिए छह विशेष जांच टीमें गठित की हैं। पुलिस के मुताबिक, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), सेंट्रल ब्राइम ब्रांच (सीसीबी) और अन्य एजेंसियों की टीमें लोहित नामक एक व्यक्ति से लगातार पूछताछ कर रही हैं।

फोन कॉल का राज जानने जुटी टीमें

बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री के दौरे से पहले इसी व्यक्ति ने कथित तौर पर धमकी भरा फोन कॉल किया था। इसके कुछ घंटों बाद पीएम के काफिले के रूट के पास संदिग्ध बॉक्स में विस्फोटक सामग्री मिली थी। पुलिस ने बताया कि कागालीपुरा थाना क्षेत्र की पुलिस और अन्य एजेंसियां बेंगलुरु साउथ और रामनगरा क्षेत्र की खदानों में इस्तेमाल होने वाली जिलेटिन स्टिक की जानकारी जुटा रही हैं।

ये है मामला

स्थानीय पुलिस के अनुसार, प्रधानमंत्री के निर्धारित दौरे से लगभग 90 मिनट पहले, रविवार सुबह नाइस रोड जंक्शन से लगभग एक किलोमीटर दूर, थथागुनी, कगालीपुरा के पास जिलेटिन की दो स्टिक वाला एक पैकेट बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि तोड़फोड़ रोधी निरीक्षण में लगे एक कांस्टेबल ने इलाके पर नियंत्रण अभियान के तहत जिलेटिन की छड़ वाले इस पैकेट को देखा।

लोहित को हिरासत में लेकर एंगल की तलाश

सूत्रों के अनुसार, कोरमंगला इलाके के एक निवासी को फोन करने के बाद पुलिस ने लोहित को हिरासत में लिया था। इसके बाद जब प्रधानमंत्री के रूट के पास जिलेटिन स्टिक बरामद हुई, तो कई एजेंसियां सक्रिय हो गईं और उससे संभावित संबंधों को लेकर पूछताछ शुरू की गई। रविवार देर रात तक जांच एजेंसियों ने आरोपी से पूछताछ की। इसमें एनआईए, बेंगलुरु सिटी पुलिस, बेंगलुरु साउथ डिवीजन पुलिस और अन्य एजेंसियों के अधिकारी शामिल रहे।

खबर संक्षेप

बीएसएनएल के मदर्स डे ऑफर प्लान पर 5% रूट

नई दिल्ली। सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल ने मदर्स डे के अवसर पर अपने करोड़ों यूजर्स के



लिए खास डिस्काउंट की घोषणा की है। कंपनी के 1499 और 2399 वाले लोकप्रिय

एनुअल प्लान अब 5% सस्ते हो गए हैं, जिससे यूजर्स को अब 200 रुपए तक की बचत होगी। इन दोनों प्लान्स में 365 दिनों की वैलिडिटी, अनलिमिटेड कॉलिंग और डेटा जैसे कई लाभ मिलते हैं। यह ऑफर 10 मई से 17 मई तक वैध है। इसका लाभ केवल बीएसएनएल की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप के जरिए रिचार्ज करने पर ही मिलेगा।

1 जुलाई से 'जी राम जी' से मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ग्रामीण रोजगार व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए विकसित भारत-



जी राम जी अधिनियम, 2025 को अधिभूचित कर दिया है। यह नया कानून 1 जुलाई,

2026 से देशभर में प्रभावी होगा, जिसके साथ ही दशकों से चल रही मनरेगा योजना समाप्त हो जाएगी। नई व्यवस्था के तहत ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। 2006 में शुरू हुई नरेगा योजना की जगह अब विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार व आजीविका मिशन ग्रामीण विकास और आजीविका को नई मजबूती प्रदान करेगा।

ईरान 440 किलो यूरेनियम अमेरिका को सौंपे

एजेसी ► वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रंप ने टूथ सोशल पर लिखा, मैंने ईरान के प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

इससे पहले भी ट्रंप ने ईरान पर खेल खेलने का आरोप लगाया था। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव भेजा। रिपोर्ट के मुताबिक,

ट्रंप ने ईरान का जंग रोकने का प्रस्ताव टुकराया

बोले- मुझे पसंद नहीं आया, अमेरिका ने यूरेनियम सौंपने की फिर शर्त रखी



प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी। अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था।

प्रतिबंधों में ढील देगा अमेरिका

ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो 60% एनरिचड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा। इसके बदले अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देगा, ईरान की फ्रीज की गई अरबों डॉलर की संपत्तियां छोड़ेगा, साथ ही ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा।

पठानकोट वायु सेना स्टेशन के पास

फर्जी आईडी के साथ तीन संदिग्धों को किया गिरफ्तार

एजेसी ► पठानकोट

पठानकोट पुलिस ने वायु सेना स्टेशन नौशहरा नलबंदा के संवेदनशील इलाके के पास से एक कार में सवार तीन संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सराजदीन और दो युवकों, जिनका नाम बिल्ला है, के रूप में हुई है। ये तीनों होशियारपुर जिले के निवासी हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से पंजाब पुलिस के एक कांस्टेबल का फर्जी पहचान पत्र भी बरामद किया है। घटना रविवार रात करीब 11 बजे की



है, जब सफेद रंग की आई-20 कार में सवार ये युवक पंजपुर की ओर से आ रहे थे। नाके पर तैनात पुलिस टीम ने जब उन्हें रोका, तो कार चालक ने खुद को खुफिया ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल सुनील शर्मा बताते हुए आईडी काट दिखाया। हालांकि, कार्ड पर मौजूद फोटो और पुलिस को संदेह हुआ।

एजेसी ► नई दिल्ली

होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच पनामा के झंडे वाले एलपीजी कैरियर तारा गैस की आवाजानी पर वैश्विक नजर टिकी हुई है।

ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 53,208 मीट्रिक टन क्षमता वाला यह विशाल जहाज संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह से रवाना होकर ईरान के लारक द्वीप के पास देखा गया है। भारतीय चालक दल और माल दुलाई को रेलवे की ओर स्थानांतरित करने का आह्वान किया।

अमेरिकी नाकेबंदी से बचने की चुनौती

ईरान द्वारा स्वीकृत मार्ग का चयन किया, होर्मुज से गुजरा भारत से जुड़ा एलपीजी टैंकर 'तारा गैस'



के लिए ईरान द्वारा स्वीकृत मार्ग का चयन किया है, जिसे सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। जहाज ट्रैकिंग डेटा प्लेटफॉर्म शिप एटलस के मुताबिक, तारा गैस की वर्तमान स्थिति और इसका पिछला रिकॉर्ड चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

ये जहाज ईरानी माल ढोने में शामिल रहा

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह जहाज पूर्व में ईरानी माल की दुलाई में शामिल रहा है, जिसके चलते इस पर अमेरिकी प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय नाकेबंदी का खतरा बना हुआ है। हाल के महीनों में इस क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति काफी खराब हुई है, जहां 18 अप्रैल को इस्लामिक रिपब्लिकन गार्ड कोर द्वारा अरब जहाजों पर गोलीबारी की गई थी।

सोशल मीडिया पर चलाए मनगढ़ंत किस्से

जेट बेचने के लिए चीन की नई चाल राफेल के खिलाफ फर्जी प्रोपेगेंडा

एजेसी ► बीजिंग

चीन अपने जे-10सी फाइटर जेट के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में खरीदार तलाशने की जद्दोजहद में अब झूठी कहानियां और प्रोपेगेंडा का सहारा ले रहा है। चीनी सरकारी मीडिया और इंजीनियरों ने दावा किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के जे-10सी विमानों ने भारत के राफेल जेट्स को मार गिराया।

इस दावे के समर्थन में चीन सोशल मीडिया पर मनगढ़ंत वीडियो वायरल कर रहा है, जिसमें राफेल को अपनी पीएल-15 मिसाइल का शिकार होने दिखाया गया है। रक्षा विशेषज्ञों ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताया है।



वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान पिछले एक साल में इस तथाकथित सफलता का कोई भी प्रमाण देने में विफल रहा है। चीन की इस हरकत का मुख्य उद्देश्य अपने विमान की गिरती साख को बचाना और वैश्विक बाजार में उसे राफेल से बेहतर साबित करना है। बाजार में स्थिति यह है कि पाकिस्तान के अलावा किसी भी अन्य देश ने जे-10सी में रुचि नहीं दिखाई है।

युवा पायलटों को प्रशिक्षण देने के मामले में चुनौती बढ़ती जा रही है

पहली समय सीमा पार होने के बाद अब 2026 से की जानी थी वायुसेना को विमानों की आपूर्ति, लेकिन अब भी इंतजार जारी

कविता जोशी ► नई दिल्ली

पहले रूस-यूक्रेन युद्ध और अब पश्चिम-एशिया क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष से वैश्विक स्पलाई चैन में आ रहे दिक्कतों के बीच वायुसेना के सामने अपने नए और युवा पायलटों को प्रशिक्षण देने के मामले में चुनौती बढ़ती जा रही है। इसे लेकर उसके पास पिलटस और किरण जैसे विमान तो मौजूद हैं। लेकिन पायलटों की लड़ाकू यानी मौजूद क्षमताओं को अत्यंत मापने में तराशने के लिए जरूरी स्वदेशी हिंदुस्तान टर्बो ट्रेनर-40 (एचटीटी-40) विमान की कमी बनी हुई है।

सूत्रों ने बताया कि इसे लेकर देश के सार्वजनिक रक्षा क्षेत्र के प्रमुख डीपीएसयू, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल),



के साथ रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2023 में कुल 70 एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमानों की वायुसेना के लिए खरीद के लिए 6 हजार 800 करोड़ रुपए से अधिक के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। जिसके तहत पहले पिछले साल 2025 के सितंबर महीने से एचएएल को वायुसेना को यह विमान सौंपने थे। लेकिन हनीवेल इंजन की आपूर्ति में देरी के कारण इस समय सीमा को बढ़ाकर एचएएल ने फरवरी-

2026 कर दिया था। लेकिन अब मई महीने की शुरुआत होने के बाद भी एचएएल द्वारा वायुसेना को विमानों की डिलीवरी की शुरुआत नहीं की गई है। यहां बता दें कि अनुबंध के बाद इन विमानों का निर्माण एचएएल की बेंगलुरु और नासिक इकाइयों में चल रहा है। लेकिन वायुसेना फिलहाल इन विमानों के इंतजार में प्रतीक्षा में मुद्रा में बैठी हुई है।

सूत्रों ने बताया कि एचएएल द्वारा वायुसेना को एचटीटी-40 विमानों की समयबद्ध आपूर्ति न किए जाने के चलते उसकी प्रशिक्षण गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। इस कमी को पूरा करने के लिए उसने सिम्युलेटर (आधुनिक वर्चुअल प्रशिक्षण) का इस्तेमाल भी शुरू किया गया है।

रिमांडर मेजे गए हैं

सूत्रों ने कहा कि इस संबंध में वायुसेना की तरफ से एचएएल को रिमांडर भी दिया गया है। जिसमें उनकी कोशिश मामले का लेकर डीपीएसयू पर किसी तरह का कोई आरोप-प्रत्यारोप लगाने का नहीं है। बल्कि वो चाहते हैं कि वायुसेना को जल्द से जल्द यह महत्वपूर्ण प्रशिक्षण विमान मिल जाए। ताकि युवा प्रशिक्षु पायलटों को इनका उचित लाभ मिल सके। बीते समय में आई एक संसदीय समिति की रिपोर्ट में भी इस विषय पर चिंता जताई गई है।

तेजस विमानों की भी नहीं हुई डिलीवरी

यहां बता दें कि वायुसेना को एचटीटी-40 के अलावा अभी तक एचएएल से 83 स्वदेशी तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी भी नहीं की गई है। जबकि इसे लेकर रक्षा मंत्रालय और एचएएल के बीच 2021 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे और उसके हिसाब से कंपनी ने मार्च-26 तक दो दर्जन विमानों की वायुसेना को डिलीवरी करने का वादा किया था। लेकिन खाड़ी क्षेत्र में चल रहे युद्ध की वजह से विमानों के लिए इंडान को आपूर्ति करने वाली अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) ने एचएएल को ये सुचित किया है कि अभी फिलहाल इसे लेकर देरी हो सकती है।

हरि प्रिय कर्मनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अर्चित महेश्वरी द्वारा शांती नं. 160 नं. 60 एच सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरि प्रिय कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मांसरोवर कॉलेजलैस, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट राठी कमलापति रोड स्थित, होरांगबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक: डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भादना। RNI No. MP/HIN/2014/55906, फ़ोन 0755-4049930